CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-136
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

व्यक्ति अपने कर्मों से महान बनता है, ना की अपने जन्म से!

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, बुधवार 21 अगस्त 2024

दबाव की सियासत में यूपीएससी में लेटरल एंट्री पर रोक

सरकार को नहीं मिल पाएंगे एक्सपर्ट

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और एनडीए के सहयोगी दलों के विरोध के बीच केंद्र सरकार का यू टर्न

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लेटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वह लेटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए। दरअसल, लेटरल एंट्री में आरक्षण का मुद्दा कांग्रेस पार्टी ने उठाया जिसके बाद एनडीए के सहयोगियों जेडीयू और एलजेपी (रामविलास) ने भी आपत्ति जताई। लोकसभा चुनावों में आरक्षण के मुद्दे पर तगड़ा झटका खा चुकी बीजेपी ने इस मुद्दे पर राजनीति गरमाने से पहले कदम वापस ले लिए। विभागीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन को लिखे अपने पत्र में कहा है कि केंद्र सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर 'लेटरल एंट्री' के जरिये लोगों को नियुक्त किया जा रहा है। हाल ही में यूपीएससी ने केंद्र सरकार के विभिन्न स्तरों पर लेटरल एंट्री के लिए विज्ञापन जारी किया था। मंत्री ने अपनी चिट्ठी में कांग्रेस सरकारों में बिना आरक्षण के लेटरल एंट्री का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा, कई मंत्रालयों और यूआईडीएआई के प्रमुखों जैसे पदों पर बिना आरक्षण की प्रक्रिया का पालन किए ही भर्तियां की गई थीं। यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि किस तरह कुख्यात राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (एनएसी) के सदस्य प्रधानमंत्री कार्यालयल (पीएमओ) को नियंत्रित करने के लिए सुपर-ब्यूरोक्रेसी की तरह संचालित हो रहे थे।

कांग्रेस ने ही की थी शुरुआत

विभागीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि लेटरल एंट्री के विचार को कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में 2005 में गठित प्रशासनिक सुधार आयोग ने स्वीकार किया था। 2013 में गठित छठे वेतन आयोग की सिफारिशें भी इसी दिशा में थीं। उन्होंने कहा कि विभिन्न मंत्रालयों में सचिव पद या यूआईडीएआई के प्रमुख पद आदि अनेक पदों पर पूर्व की सरकारों में लेटरल एंट्री के जरिए बिना किसी आरक्षण के लोगों को नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा है कि यह एक तात्कालिक तरीका था और इसमें भाई-भतीजावाद का बोलबाला था।

राहुल गांधी का आरोप और कानून मंत्री का जवाब

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लेटरल एंट्री को लेकर कहा था कि लेटरल एंट्री में आरक्षण का प्रावधान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया था कि लेटरल एंट्री के जरिये एससी-एसटी और ओबीसी का हक छीना जा रहा है। मोदी सरकार आरएसएस के लोगों की लोकसेवकों में भर्ती कर रही है। राहुल के आरोप के जवाब में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि 1976 में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को लेटरल एंट्री के जरिये ही फाइनेंस सेक्रेटरी बनाया गया था। इसी तरह मोंटेक सिंह अहलूवालिया को योजना आयोग का उपाध्यक्ष और सोनिया गांधी को नेशनल एडवाइजरी काउंसिल चीफ बनाया गया।

संविधान की जीत बता रही कांग्रेस

कांग्रेस नेताओं ने लेटरल एंट्री पर रोक का स्वागत करते हुए इसे संविधान की जीत बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि हमारे दलित, आदिवासी, पिछड़े और कमजोर वर्गों के सामाजिक न्याय के लिए कांग्रेस पार्टी की लड़ाई ने भाजपा के आरक्षण छीनने के मंसूबों पर पानी फेरा है। खड़गे ने लिखा- संविधान जयते! हमारे दलित, आदिवासी, पिछड़े और कमजोर वर्गों के सामाजिक न्याय के लिए कांग्रेस पार्टी की लड़ाई ने भाजपा के आरक्षण छीनने के मंसूबों पर पानी फेरा है।

बीजेपी का कांग्रेस पर बड़ा पलटवार

बीजेपी पलटवार में कांग्रेस सरकारों के दौरान हुई भर्तियों में मची अंधेरगर्दी की याद दिला रही है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं ने जब बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी से लेटरल एंट्री पर राहुल गांधी के बयानों पर सवाल पूछा तो उन्होंने जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा कैबिनेट सचिव 1987 बैच के हैं जब केंद्र में राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी की सरकार थी। क्या राहुल गांधी बताएंगे कि राजीव गांधी ने कितनों का आरक्षण दिया? त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी और उनके परिवार की आरक्षण और एससी-एसीट और ओबीसी को लेकर जो खानदानी विरासत है वो किसी से छिपी हुई नहीं है और उनकी अज्ञानता भी किसी से छिपी नहीं है।

एनडीए में भी फूट

ऐसा नहीं है कि सिर्फ विपक्षी दलों ने ही केंद्र सरकार की इस स्कीम की आलोचना की हो और अपना विरोध जताया हो। एक दिन पहले ही केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी लेटरल एंट्री के जरिये सरकारी पदों पर नियुक्तियों के किसी भी कदम की आलोचना करते हुए कहा था कि वे केंद्र के समक्ष यह मुद्दा उठाएंगे। चिराग ने कहा था कि किसी भी सरकारी नियुक्ति में आरक्षण का प्रावधान होना चाहिए। इसमें कोई किंतु-परंतु नहीं है। निजी क्षेत्र में आरक्षण नहीं है और अगर सरकारी पदों पर भी इसे लागू नहीं किया जाता है... तो यह चिंता की बात होगी। चिराग के अलावा बिहार से ही दूसरी सहयोगी पार्टी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू ने भी लेटरल एंट्री का विरोध किया था। जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने कहा था कि सरकार ऐसे फैसलों के जरिये विपक्ष को मुद्दा दे रही है, इसलिए इसे वापस ले लेना चाहिए।

कोलकाता कांड पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

मेडिकल स्टाफ की सुरक्षा के लिए प्रोटोकॉल तैयार करेगा टास्कफोर्स

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और मर्डर के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कई सख्त टिप्पणियां कीं। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार से भी कड़े सवाल पूछे। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए इस मामले की सुनवाई की। उनके साथ जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी इस बेंच का हिस्सा थे। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के लिए सुरक्षा बंदोबस्त के अभाव पर चिंता व्यक्त की और एक राष्ट्रीय टास्कफोर्स का गठन किया। इस टास्कफोर्स का काम राष्ट्रीय स्तर पर मेडिकल स्टाफ की सुरक्षा संबंधी प्रोटोकॉल तैयार करना है। शीर्ष न्यायालय इस मामले में 22 अगस्त को अगली सुनवाई करेगा। अदालत ने सीबीआई को भी तब तक आरजी कर रेप-मर्डर केस की जांच के साथ ही अस्पताल पर हुए भीड़ के हमले के जांच की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चद्रचूड़ ने कहा कि हमने इस मामले में स्वत: संज्ञान लेने का फैसला इसलिए किया है क्योंकि यह कोलकाता के एक अस्पताल में हुई किसी विशेष हत्या का मामला नहीं है। यह पूरे भारत में डॉक्टरों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों को उठाता है। कार्यस्थल की सुरक्षित स्थिति बनाने के लिए एक राष्ट्रीय प्रोटोकॉल होना चाहिए। अगर महिलाएं कार्यस्थलों में नहीं जा सकतीं और सुरक्षित महसूस नहीं कर सकतीं, तो हम उन्हें समान अवसर से वंचित कर रहे हैं।

कोलकाता कांड पर आज पत्नी डोना के साथ विरोध प्रदर्शन करेंगे सौरव गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली बुधवार को कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के अंदर एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध में प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान उनकी पत्नी डोना गांगुली भी साथ होंगी। मालूम हो कि गांगुली ने इस घटना के विरोध में सोमवार को अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल की डीपी काले रंग में बदली थी। गांगुली ने कुछ दिन पहले कहा था कि एक बेटी का पिता होने के नाते वे इस घटना से बहुत सदमे में हैं। गांगुली ने कहा था कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण और जघन्य घटना है। इस पर सख्त कार्रवाई करने की आवश्यकता है। यह बिल्कुल सही नहीं है। महिला सुरक्षा को लेकर और सावधानी बरतने की जरूरत है। यह किसी भी जगह हो सकता है तो ऐसा न हो इसके लिए सिर्फ अस्पताल ही नहीं बल्कि सभी जगह पर सीसीटीवी कैमरा और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की आवश्यकता है। हालांकि ऐसी घटनाएं कहीं भी हो सकती हैं, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह विशेष मामला एक अस्पताल के अंदर हुआ। गांगुली बुधवार शाम को विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। यह विरोध मार्च डोना गांगुली के डांस स्कूल से शुरू होगा। मालूम हो कि इस घटना के बाद से ही गांगुली इस मुद्दे पर काफी मुखर होकर बोल रहे हैं और उन्होंने अब सड़क पर उतरकर विरोध करने का फैसला किया है।

महामंडलेश्वर पायलट बाबा का निधन अखाड़े की शाखाओं में तीन दिन का शोक

देहरादून। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर पायलट बाबा का मंगलवार को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे संत समाज में शोक की लहर है। जूना अखाड़े ने तीन दिन का शोक घोषित किया गया है। इन तीन दिनों में पायलट बाबा की आत्मा की शांति के लिए शांति पाठ हवन तथा विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। श्रीमहंत हरि गिरी महाराज ने कहा कि पायलट बाबा एक सच्चे योगी व देश सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। वह 1974 में विधिवत दीक्षा लेकर जूना अखाड़े में शामिल हुए और अपनी संन्यास यात्रा शुरू की। पायलट बाबा का जन्म बिहार के रोहतास जिले के सासाराम में एक राजपूत परिवार में हुआ था। इनका पुराना नाम कपिल सिंह था। बाबा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उनका भारतीय वायु सेना में चयन हुआ। बाबा यहां विंग कमांडर के पद पर थे। बाबा 1962, 1965 और 1971 की लड़ाइयों में सेवा दे चुके हैं। इसके लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया। सन 1996 में जब वे मिग विमान भारत के पूर्वोत्तर में उड़ा रहे थे तब उनके साथ एक हादसा हुआ था। उनका विमान से नियंत्रण खो गया। उसी दौरान बाबा को उनके गुरु हरि गिरी महाराज के दर्शन प्राप्त हुए और वे उन्हें वहां से सुरक्षित निकाल लिए। यही वो क्षण था जब बाबा को वैराग्य प्राप्त हुआ और वे सेना की लड़ाई से दूर शांति और अध्यात्म की तरफ प्रवृत्त हो गए। संन्यास लेने से पहले बाबा कुछ दिन तक बॉलीवुड से भी जुड़े रहे, उन्होंने 'एक फूल दो माली' में अभिनय भी किया। श्री महंत हरि गिरी महाराज ने कहा कि पायलट बाबा की अंतिम इच्छा के अनुसार उन्हें उत्तराखंड की पावन भूमि में समाधि दी जाएगी।

मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी

मध्यप्रदेश में सामान्य से 60 मिमी ज्यादा बरसा पानी, आज इन 12 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी है। 60 दिन से तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। 21 जून से अब तक स्र्क्क में सामान्य से 60 मिमी ज्यादा 737 मिमी बारिश हो चुकी है। मंडला और सिवनी में सबसे ज्यादा 1041 मिमी पानी बरस चुका है। मौसम विभाग ने 21 अगस्त को इंदौर, सागर, उज्जैन सहित 12 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञनिक के मुताबिक, दो दिन बाद स्ट्रॉन्ग सिस्टम के एक्टिव होने से पूरे प्रदेश में 23 और 24 अगस्त को झमाझम बारिश होगी।

आज इन जिलों में तेज बारिश का अलर्ट मौसम विभाग ने 21 अगस्त को इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, रतलाम, उज्जैन, धार, बड़वानी, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल और डिंडौरी में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के अन्य जिलों में हल्की और मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है।

23 और 24 को 26 जिलों में तेज बारिश मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, अभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस, मानसून ट्रफ और 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का असर एमपी में देखने को मिल रहा है। बुधवार को भी इसी सिस्टम की वजह से बारिश होगी। बंगाल की खाड़ी पर बने लो प्रेशर एरिया के एक्टिव होने से 23 और 24 अगस्त को एमपी के 26 जिलों में तेज बारिश हो सकती है।

इन जिलों में झमाझम बारिश की संभावना मौसम विभाग ने 23 और 24 अगस्त को 26 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग ने भोपाल, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर,नीमच, भिंड, मुरैना, श्योपुर, राजगढ़, विदिशा, ग्वालियर, दतिया, सीहोर, हरदा, बुरहानपुर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, सागर, नरसिंहपुर, पन्ना, कटनी, मंडला और बालाघाट में झमाझम बारिश होने की चेतावनी जारी की है। बाकी जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

CNews सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

मप्र नपा अधिनियम में संशोधन, अब अध्यक्ष-उपाध्यक्ष को हटाना आसान नहीं

भोपाल/इंदौर। मध्यप्रदेश सरकार ने नगर पालिका और नगर परिषदों के अध्यक्ष और उपाध्यक्षों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। अब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को हटाने के लिए दो तिहाई के बजाय तीन चौथाई पार्षदों के समर्थन की आवश्यकता होगी और यह प्रस्ताव तीन साल का समय पूरा करने के बाद ही लाया जा सकेगा। इस संशोधन के बाद नगर पालिका और नगर परिषदों के अध्यक्ष और उपाध्यक्षों को हटाना अब कठिन हो जाएगा। इस संशोधन में नगर निगमों को शामिल नहीं किया गया है। दरअसल, नगर निगम के महापौर का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होता है। महापौर को हटाने की प्रक्रिया भी अलग होती है। इसमें निगम के कुल पार्षदों से छठवें भाग के बराबर पार्षदों के समर्थन से कलेक्टर मेयर को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। प्रदेश के नगरीय निकायों में बगावत के संकेत मिलने लगे थे, जहां अध्यक्षों के खिलाफ पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया था। चूंकि, अधिकतर अध्यक्ष भाजपा समर्थित हैं। हाल ही में बीनागंज-चाचौड़ा, गुना, मुरैना के बानमौर, भिंड में अध्यक्ष के खिलाफ पार्षदों ने विरोध के सुर उठे थे। अब सरकार के संशोधन के बाद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को हटाना आसान नहीं होगा।

विधायक रमेश मेंदोला पिता के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे सीएम

इंदौर। इंदौर के क्षेत्र क्रमांक दो के विधायक रमेश मेंदोला के पिता चिंतामणि मेंदोला के निधन पर शोक जताने मंगलवार को उनके निवास पर मुख्यमंत्री मोहन यादव पहुंचे। सीएम ने मेंदोला और उनके शोक संतप्त परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। मुख्यमंत्री करीब 20 मिनट मेंदोला के निवास पर रुके। बता दें, विधायक रमेश मेंदोला के पिता चिंतामणि मेंदोला का रविवार को 98 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। मुख्यमंत्री मोहन यादव पहले सोमवार को आने वाले थे, लेकिन उज्जैन में बाबा महाकाल की सवारी व बैठकों के कारण मंगलवार सुबह मेंदोला के निवास पर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे सहित अन्य नेता मौजूद थे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मेंदोला के पिता की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए और कहा कि उत्तराखंड से इंदौर आकर बसने के बाद चिंतामणि मेंदोला ने मजदूरों के हितों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन पर मैं शोक व्यक्त करने आया हूं। इसके बाद मुख्यमंत्री एयरपोर्ट पहुंचे और सीधे भोपाल के लिए रवाना हुए।

रक्षाबंधन पर बहनों के राखी बांधने से पहले भाई ने लगाई फांसी, पत्नी से था विवाद

इंदौर। रक्षाबंधन के दिन शहर के स्कीम-78 में युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। अमन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर(बीसीसी) में बिलिंग का काम करता था। सोमवार को स्वजन रक्षा बंधन मनाने की तैयारी कर चुके थे। बहनें राखी बांधने के लिए आने ही वाली थीं। पत्नी से विवाद की बात सामने आई है। लसूड़िया पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्ट मार्टम करवाया है। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक 32 वर्षीय अमन रामकरण शर्मा ने सोमवार शाम फांसी लगा ली थी।उसकी जयपुर में शादी हुई थी। पत्नी से अनबन चल रही है और तलाक का केस भी चल रहा है।संभवतःइसी कारण फांसी लगाई है। सोमवार को इंदौर में रहने वाली दो बहने राखी बांधने आने वाली थी। इसके पूर्व वह रूम में गया और फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। इंदौर में टाइल्स लगाने वाले एक युवक का संदिग्ध अवस्था शव मिला है। साथी हार्ट अटैक से मौत होना बता रहे हैं।गांधीनगर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। पुलिस के मुताबिक छोटा बांगड़दा निवासी आनंद पुत्र जगदीश जटिया टाइल्स लगाता था। सोमवार को उसका साथी कुछ काम से बाहर गया और आनंद की मौत हो गई। साथी लौटा तो आनंद का शव मिला। सीने पर हाथ रखा हुआ था, चोट के निशान नहीं थे। स्वजन ने करंट लगने की आशंका जताई है। मौके पर खुले तार थे। इंदौर में एसिड पीने से हुई मौत के मामले में कोतवाली पुलिस ने होटल संचालक और कर्मचारी के विरुद्ध केस दर्ज किया है। आरोपितों ने कोल्ड ड्रिंक्स की बोतल में एसिड भर कर रखा था। कर्मचारी ने ही बोतल की तरफ इशारा किया था। टीआई वेदेंद्र सिंह कुशवाह के मुताबिक घटना इसी वर्ष 16 जुलाई की है। मूलतःहाथरस निवासी यतींद्र विनोद रावत जवाहर मार्ग स्थित होटल प्रेस्टीज में रुका था। वह कारोबारी शैलेंद्र के साथ आया था। शैलेंद्र काम से बाहर गए थे। यतींद्र ने होटल के मैनेजर रवि टैनिवाल से पानी मांगा तो उसने दूर रखी बोतल की तरफ इशारा किया। वहां दो बोतल रखी थी। एक बोतल में एसिड था। यतींद्र पानी समझ कर एसिड पी गया। गंभीर अवस्था में उसको अस्पताल ले गए लेकिन मौत हो गई। टीआई के मुताबिक मामलें में रवि और होटल मालिक करणलाल पगरानी को आरोपित बनाया गया है।

सीवरेज का गंदा पानी घरों में घुसा, ट्रैफिक जाम में घंटों फंसे लोग

पौने दो इंच बारिश में इंदौर की सड़कें बनी तालाब

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में लंबे समय के बाद तेज बारिश हुई तो पूरा शहर जलभराव से त्रस्त हो गया। मौसम विभाग के अनुसार दिनभर में पौने दो इंच बारिश हुई। सुबह 11 बजे शुरू हुई बारिश दो बजे थमी और चार बजे से फिर से तेज बारिश हुई। इस दौरान शहर की सड़कों पर पानी भर गया। इंदौर में जब भी तेज बारिश होती है इसी तरह सड़कों पर सीवरेज का गंदा पानी भर जाता है। नगर निगम कार्यालय के बाहर ही सीवरेज का गंदा पानी सड़कों पर लबालब भर गया। राजबाड़ा के साथ विजय नगर, नंदा नगर, पलासिया, बड़ा गणपति, अन्नपूर्णा, बीआरटीएस, महू नाके में भी इसी तरह सड़कों पर पानी भरा रहा। शहर की कई कालोनियां तो पूरी तरह से जलमग्न हो गई। दो से तीन घंटे तक पूरे शहर में ट्रैफिक जाम लगा रहा। रहवासियों ने बताया कि हर बार बारिश में इसी तरह से पानी भर जाता है।

कई क्षेत्रों में कारें डूब गईं

कई क्षेत्रों में कारें तक डूब गईं। बीआरटीएस और पलासिया क्षेत्र में इतना अधिक पानी भर गया कि कारों के कांच तक पानी चढ़ आया। गाड़ियां बंद होने की वजह से लोग परेशान होते रहे। सड़क पर जगह जगह लोग गाड़ियों में धक्का लगाते दिखे। लोगों ने सड़कों पर जलभराव की वजह से अपनी नाराजगी भी जताई।

दो से तीन घंटे तक ट्रैफिक जाम

सड़कों पर पानी भरने की वजह से शहर की सड़कों पर दो से तीन घंटे तक लगातार जाम के हालात बने रहे। राजबाड़ा, विजय नगर, नंदा नगर, पलासिया समेत कई क्षेत्रों में लंबा जाम लगा। दो बजे के बाद हुई तेज बारिश ने शहर की सड़कों को तालाब बना दिया। ट्रैफिक पुलिस भी कहीं नजर नहीं आई और हर जगह लोग परेशान होते रहे। सभी चौराहों पर लोग एक दूसरे से गुत्थमगुत्था होते रहे। पूरा शहर एक तरह से कैद में रहा। इसके अलावा शहर के

कई निचले इलाकों और बीआरटीएस में भी भारी जलजमाव हो गया। पलासिया, गिटार तिराहा, स्कीम 140, खजराना, रोबोट चौराहा सहित कई इलाकों में घुटने-घुटने तक पानी भर गया।

बिना झड़ी के बीता सावन

मंगलवार सुबह दिन का तापमान 31.3 डिग्री दर्ज किया गया, जो अगस्त महीने के औसत तापमान से 3 डिग्री ज्यादा था। दिनभर में कुल मिलाकर 42.2 एमएम (पौने दो इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई। इस बार अगस्त में अब तक सिर्फ 3 इंच बारिश हुई थी, जबकि सीजन की बारिश 17 इंच ही हुई है। यह कुल कोटे की बारिश (36) इंच से आधी है। रविवार को दिन का तापमान 31.8 (+3) डिग्री और रात का तापमान 23.4 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। सोमवार को दिन का तापमान 32.4 (+4) डिग्री और रात का तापमान 24 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। खास बात यह कि इस बार सावन बिना झड़ी के बीत गया। मंगलवार से भादौ शुरू हो गया है। इस महीने बादल तेज बरसते हैं, लेकिन अगले तीन-चार दिन तेज बारिश के आसार नहीं हैं।

अगस्त में पड़ी अप्रैल जैसी गर्मी

इंदौर में तीन दिन से मौसम एकदम साफ था। इस दौरान बूंदाबांदी भी नहीं हुई। दूसरी ओर मौसम साफ होने और हवा की रफ्तार कम होने से गर्मी का एहसास ज्यादा हो रहा था। तीन दिनों से दिन का तापमान 31 डिग्री से ज्यादा बना हुआ था। रक्षा बंधन पर तो तापमान 32 डिग्री पार रहा जिससे लोगों को अगस्त माह में अप्रैल जैसी गर्मी का एहसास हुआ। दस साल में ऐसा तीसरी बार हुआ है जब तापमान 32 डिग्री पास पहुंचा है।

यह है बारिश कम होने की वजह

इस बार बारिश कम होने की तीन कारण हैं। दरअसल मानसून मुंबई में समय पर आ गया था वहां से आगे बढ़ने के बाद कमजोर हो गया। इस बार मानसून बुरहानपुर, बैतूल होते हुए नागपुर की ओर चला गया। दूसरा यह कि बंगाल की खाड़ी में मजबूत सिस्टम नहीं बने। दो माह में सिर्फ दो सिस्टम एक्टिव हुए। इस कारण जुलाई के अंत में ढाई इंच बारिश हुई। तीसरा यह कि अरब सागर और बंगाल की खाड़ी दोनों ओर से सिस्टम एक्टिव रहने से इंदौर में झड़ी लगती थी। कई बार दो तरफा नमी मिलने से 24 घंटों में 5-6 इंच बारिश हो जाती थी। इस बार दोनों सिस्टम का संयोग नहीं बना। इस कारण कम बारिश हुई।

पश्चिमी मध्यप्रदेश के मुकाबले पूर्वी मप्र में होगी ज्यादा बारिश

मौसम विभाग ने पहले ही 18 अगस्त से 22 अगस्त तक प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी जारी कर दी थी। इसी के साथ इंदौर, भोपाल, जबलपुर, नर्मदापुरम, सागर, शहडोल, रीवा, बैतूल, ग्वालियर के विभिन्न क्षेत्रों में जोरदार बारिश हुई। वहीं पूर्वी मध्यप्रदेश में अब 25 अगस्त तक फिर तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी मध्यप्रदेश के मुकाबले पूर्वी मध्यप्रदेश में फिर भारी बारिश के आसार हैं।

कई जिलों में परेशान करेगी गर्मी

मध्यप्रदेश के कई जिलों में जहां राहत की बारिश होगी तो वहीं पश्चिमी क्षेत्रों में कम बारिश या रुक-रुककर बारिश से तापमान में वृद्धि होगी। ऐसे में उमस से लोगों को बेचैनी का एहसास हो सकता है। मंगलवार को सिंगरौली के देवरा में अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं बड़वानी के तालून में 33.6 डिग्री, देवास के कन्नौद में 33.1 डिग्री और ग्वालियर में 32.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से अधिक है। गौरतलब है कि उमस की वजह से खंडवा सहित पूरे निमाड़ में मई जैसी गर्मी का एहसास हो रहा है। यहां तापमान 32 डिग्री तक पहुंत गया है। ऐसे में लोगों को भादो की बारिश से काफी उम्मीदें हैं।

मप्र में अब तक 76 प्रतिशत बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक अब तक मध्यप्रदेश में इस सीजन की 76 प्रतिशत बारिश हो चुकी है, जो औसत से कुछ ज्यादा है। प्रदेश में औसतन 28.5 इंच पानी गिर चुका है। इसके बावजूद कई जिलों में उमस और भीषण गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। इसकी प्रमुख वजह है कि पश्चिमी और पूर्वी मध्यप्रदेश में एक जैसी बारिश का न होना।

आज और कल भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि वर्षा का एक मजबूत सिस्टम सक्रिय हो रहा है, जिससे 21 और 22 अगस्त को पूरे प्रदेश में भारी वर्षा होगी। इसका कारण बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवात है, जो कम दबाव के क्षेत्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अब तक इस मानसून सीजन की 76 प्रतिशत से अधिक यानी 28.5 इंच वर्षा हो चुकी है।

मानसून ट्रफ बीकानेर से सीधी होते हुए इस सिस्टम से मर्ज हो रही है, जिससे राज्य में बारिश का दौर फिर से लौटेगा। इस स्थिति के चलते प्रदेश के लोगों को अगले कुछ दिनों में भारी वर्षा का सामना करना पड़ सकता है।

बॉटल में भरा था एसिड, पानी समझकर पीने से युवक की मौत

होटल मालिक और नौकर पर एफआईआर

सिटी चीफ इंदौर।

एसिड पीने से हुई मौत के मामले में कोतवाली पुलिस ने होटल संचालक और कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपितों ने कोल्ड ड्रिंक्स की बोतल में एसिड भर कर रखा था। कर्मचारी ने ही बोतल की तरफ इशारा किया था। टीआई देवेंद्रसिंह कुशवाह के मुताबिक घटना इसी साल 16 जुलाई की है। मूलतः हाथरस निवासी यतींद्र विनोद रावत जवाहर मार्ग स्थित होटल प्रेस्टीज में रुका था। वह कारोबारी शैलेंद्र के साथ आया था। शैलेंद्र काम से बाहर गए थे। यतींद्र ने होटल के मैनेजर रवि टैनिवाल से पानी मांगा तो उसने दूर रखी बोतल की तरफ इशारा किया।

पानी समझकर एसिड पी लिया

वहां दो बोतल रखी थी। एक बोतल में एसिड था। यतींद्र पानी समझकर एसिड पी गया। गंभीर अवस्था में उसको अस्पताल ले गए लेकिन मौत हो गई। टीआई के मुताबिक मामले में रवि और होटल मालिक करणलाल पगरानी को आरोपित बनाया गया है। भंवरकुआं पुलिस ने होटल करणावत के मैनेजर और कर्मचारी के विरुद्ध केस दर्ज किया है। आरोपितों ने खाना खाने आए एक ग्राहक के साथ मारपीट की थी। पुलिस के मुताबिक घटना चितावद स्थित होटल की है। कांछीखेड़ी राजगढ़ निवासी जितेंद्र

बलवंत सिंह चौहान होटल में खाना खाने गया था। थाली में खाना बच गया था। इसी बात पर कर्मचारियों ने विवाद किया और जितेंद्र की पिटाई कर दी।

चाकूबाजी-वसूली के 29 आरोपितों को जेल भेजा

पुलिस ने मंगलवार को नशा कर वारदात करने वालों की धरपकड़ की। पुलिस ने 29 से ज्यादा आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों को जेल भिजवाया गया है। उनके मोबाइल की जांच कर पैडलर को तलाशा जा रहा है। जोन-1 के डीसीपी विनोद कुमार मीना के मुताबिक पिछले दिनों पकड़े गए तस्करों से मिले इनपुट के बाद कार्रवाई की है। एसीपी आजादनगर आशीष पटेल के मुताबिक कई आरोपित ऐसे हैं जो नशा कर लूट, चाकूबाजी जैसी घटनाएं करते हैं। तौहिद, मोबिन, फुरकान, रफीक, अब्दुल सईद, फैजान, शाकीर, सुफियान, सलमान, सुनील, वाजिद, शादाब, रिजवान, जाहिद, मोहम्मद बिलाल, धीरज, सागर, अमित, इरफान, अक्षय, रवि, अली, साबिर, सोहेब, कमलेश, प्रद्युन, अभिषेक और मुश्ताक के विरुद्ध कार्रवाई हुई है।

किसानों का सोयाबीन से हो रहा मोह भंग

अब तक 17 बीघा खेत में चला चुके हैं रोटावेटर

मालवा निमाड़। सोयाबीन बेल्ट के रूप में पहचान बना चुके मालवा- निमाड़ में अब किसान का सोयाबीन से मोहभंग हो रहा हैं। सरकार ने सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 4892 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है, लेकिन अधिकांश मंडियो में किसानों क दाम अधिकतम 4000 रुपये प्रति क्विंटल से कम ही मिल रहे हैं।

इससे निराश मंदसौर जिले के दो किसान अभी तक 17 बीघा में खड़ी सोयाबीन फसल पर रोटावेटर चला चुके हैं। कुछ अन्य किसान भी इनके समर्थन में दिख रहे हैं। इधर, भारतीय किसान संघ भी मानता है कि सरकार किसानों को सोयाबीन के तय दाम भी नहीं दिला पा रही हैं। इसके लिए आंदोलन की भी तैयारी हो रही हैं।

किसानों का कहना है कि आज हालातों में सोयाबीन की खेती करना घाटे का सौदा लग रहा है। सोयाबीन के दाम अभी 3000 से 4000 रुपये प्रति क्विंटल से आगे ही नहीं बढ़ रहे हैं। इससे लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा है। आज की परिस्थिति में सोयबीन बोने से अच्छा है खेत को खाली रखा जाए ताकि खेत की उर्वरा शक्ति बची रहे। आज तमाम तरह की दवाईयां, खाद,बीज पर ही सवा लाख रुपये से ज्यादा खर्च कर चुके हैं।

इससे पहले रविवार को गरोठ तहसील के देवरिया निवासी किसान कमलेश पाटीदार ने भी लगभग 10 बीघा जमीन में सोयाबीन की फसल रोटावेटर से हंकाई करा दी। किसाना का कहना है कि मैं कई वर्षों से सोयाबीन की खेती करते आ रहा हूं, लेकिन आज के हालातों में सोयाबीन की खेती करना घाटे का सौदा लग रहा है।

कमलेश ने बताया कि पिछले वर्ष की 140 क्विंटल सोयाबीन को 16 अगस्त को ही 3800 रुपये क्विंटल में बेचा। पर इससे लागत निकलना भी मुश्किल हो रहा है। आज की परिस्थिति में सोयबीन की बोवनी से अच्छा है कि खेत को खाली ही रखा जाए। ताकि खेत की उर्वरा शक्ति बची रहें। किसान भाइयों से यही कहेंकि कि आने वाले समय में अगर सोयाबीन 3000 से 3500 रुपये क्विंटल बिकता है तो सोयाबीन की खेती घाटे का सौदा होगा।

इंदौर में आदिवासी युवक से जूतों के लेस बंधवाने वाले गुंडे पर लगाया एनएसए

सिटी चीफ इंदौर।

पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे आदिवासी युवक देपाल गिणावा की पिटाई औरएडिशनल डीसीपी जोन-4 आनंद यादव के मुताबिक आरोपित रितेश राजपूत निवासी तेजाजीनगर के विरुद्ध लूट, अवैध हथियार, गैर इरादतन हत्या, हथियार तस्करी, अवैध वसूली के 11 अपराध पंजीबद्ध हैं। मामूली विवाद होने पर आरोपित रितेश और उसके साथी ने देपाल के साथ न सिर्फ मारपीट की बल्कि जूतों के लेस भी बंधवाए।

कलेक्टर ने एनएसए लगाकर आरोपित को सेंट्रल जेल भेजने के दिए आदेश

आरोपितों का यह कृत्य दो समाजों के बीच मतभेद और भय व्याप्त करने वाला है। पुलिस ने आरोपित का आपराधिक रिकॉर्ड और घटना का संपूर्ण विवरण सहित रासुका की फाइल कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत की थी। मंगलवार को कलेक्टर ने रासुका लगाकर आरोपित

को सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया है।

एडीसीपी के मुताबिक मामले में दूसरे आरोपित की पहचान रोहित राठौर (राजपूत) के रूप में हुई है। रोहित आरोपित रितेश का चचेरा भाई है। सोमवार को वह गुमराह कर रहा था। उसने झूठा नाम बताया था। रितेश की गिरफ्तारी के बाद उसके साथ आई युवती की पहचान हो पाएगी।

फुटेज नहीं होते तो न्याय भी नहीं मिलता

पीड़ित देपाल के स्वजन और आदिवासी समाज भंवरकुआं पुलिस के रवैये से नाराज हैं। एसआई ने देपाल के मोबाइल से सीसीटीवी फुटेज डिलिट करवा दिए थे। भाई के मुताबिक एसआई ने देपाल के साथ मुलजिम जैसा बर्ताव किया और कहा कि रिपोर्ट लिखवाने पर नौकरी में दिक्कत आएगी। अगर सीसीटीवी फुटेज नहीं होता तो न्याय ही नहीं मिलता। एडीसीपी के मुताबिक पुलिस ने तत्काल संज्ञान ले लिया था। मामले में धाराएं भी बढ़ा दी गई हैं।

उससे जूतों के लेस बंधवाने वाले गुंडे पर कलेक्टर आशीषसिंह ने रासुका लगाई है। भंवरकुआं पुलिस ने आरोपित को रासुका का वारंट तामील करवा दिया है। उसका साथी रोहित और युवती अभी तक फरार है।

कैबिनेट बैठक में सीएम ने प्रभारी मंत्रियों को दिए निर्देश, कई अहम प्रस्तावों को दी मंजूरी

माह में एक बार मंत्रियों को अपने प्रभार वाले जिलों में बिताना होगी रात

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी प्रभारी मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे प्रत्येक माह में कम से कम एक बार अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा करें और वहां रात्रि विश्राम करें। यह कदम जिलों में प्रशासनिक गतिविधियों पर करीबी नजर रखने और स्थानीय जनता के साथ जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। इसके अलावा कैबिनेट ने मदरसों में अन्य धर्मों की धार्मिक शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश को सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी बच्चे को उसके धर्म के अलावा अन्य धर्म की शिक्षा देने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। ऐसे मदरसों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कैबिनेट ने निर्णय लिया है कि 26 अगस्त को जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर सभी मंत्री अपने प्रभार वाले जिलों में उपस्थित रहेंगे और समारोह को भव्यता से मनाने में योगदान देंगे। भगवान

श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े विविध पक्षों पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नगरीय क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन के लिए टाउन हॉल विकसित किए जाएंगे। कैबिनेट में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत करने के लिए आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) का विस्तार करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में 10 में से 7 संभागों में संचालित ईओडब्ल्यू कार्यालय अब शहडोल, नर्मदापुरम और चंबल संभाग में भी स्थापित किए जाएंगे। इसका कैबिनेट में निर्णय लिया गया।

नर्मदा के समग्र विकास के लिए समिति गठित

जीवनदायिनी नर्मदा के समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल के साथ समिति का गठन किया जाएगा। नर्मदा के उद्गम स्थल से लेकर गुजरात सीमा तक नगरीय निकाय और पंचायत राज संस्थाएं नर्मदा के प्रवाह की निरंतरता और सहायक नदियों, जल स्त्रोतों को लेकर काम करेंगी। इसमें नगरीय विकास एवं आवास मंत्री, पंचायत ग्रामीण मंत्री राजस्व मंत्री और वन मंत्री समिति के सदस्य होंगे। समिति के सचिव और मुख्य सचिव और सहायक सचिव समिति की हर माह में एक बार बैठक आयोजित होगी।

महिला सशक्तिकरण केंद्र की स्थापना के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने 364 पदों की स्वीकृति दी है। इसमें केंद्र और राज्य 60ः40 के अनुपात में वित्तीय भार का बंटवारा होगा। इस योजना से महिलाओं के सशक्तिकरण, विकास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा के लिए काम होगा। प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट और जिला स्तर पर डिस्ट्रिक्ट मैनेजमेंट यूनिट का गठन किया जाएगा।

साइबर तहसील प्रोजेक्ट का प्रदेश स्तर पर होगा विस्तार

राज्य सरकार चार नए मिशनों- युवा शक्ति मिशन, महिला सशक्तिकरण मिशन, किसान कल्याण मिशन, और गरीब कल्याण मिशन- की शुरूआत करने जा रही है। इन मिशनों का उद्देश्य युवाओं, किसानों, महिलाओं, और गरीब कल्याण है। प्रशासन अकादमी भोपाल में सामान्य प्रशासन विभाग इसके लिए एक मंथन कार्यक्रम आयोजित करेगा। साइबर तहसील प्रोजेक्ट की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हो रही है, अब इसका विस्तार पूरे प्रदेश में किया जाएगा। सिंगरौली जिले के चितरंगी में लगभग 1320 करोड़ रुपये से चितरंगी दाब युक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को स्वीकृति दी गई है। इससे 32 हजार से अधिक हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी।

मंत्री राजपूत पर लगे थे जमीन हड़पने और अगवा कराने के आरोप

भोपाल में मिले लापता ओबीसी नेता परिजनों ने किया पहचानने से इंकार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। आठ साल से लापता ओबीसी नेता मान सिंह पटेल भोपाल में मिलने के बाद उन्हें परिजन ने पहचानने से इंकार कर दिया है। पटेल को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद खोजने का प्रयास किया जा रहा था। दरअसल, मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर ओबीसी नेता मान सिंह पटेल की जमीन हड़पने और उन्हें अगवा कराने के आरोप लगे थे। पुलिस ने एक व्यक्ति को छोला श्मशान घाट के पास से पकड़ा है, जिसका हुलिया मान सिंह पटेल से मिलता है, लेकिन परिजनों ने उसकी पहचान करने से इनकार कर दिया है। भोपाल पुलिस कमिश्नर हरि नारायणचारी मिश्र ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति छोला श्मशान घाट के पास है, जिसका हुलिया मान सिंह पटेल से मिलता-जुलता है। इस पर हमारी टीम ने उसे पकड़कर सागर पुलिस को सौंप दिया है। हालांकि, अभी परिजन पहचान से इनकार कर रहे हैं।

साल 2016 से गायब हैं मान सिंह पटेल

बता दें कि यह मामला 2016 का है। जब मान सिंह पटेल ने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर अपनी पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जा करने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद से वह लापता हो गए थे। इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं होने पर पटेल के बेटे सीताराम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें पुलिस की

निष्क्रियता पर सवाल उठाए थे। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए एक नई एसआईटी (विशेष जांच दल) के गठन का आदेश दिया है। इसके बाद से पुलिस भी इस मामले में सक्रिय हो गई है।

अब डीएनए टेस्ट से होगी पहचान की पुष्टि

भोपाल से बरामद व्यक्ति का हुलिया बदला हुआ है और परिजनों ने भी उसकी पहचान करने से इनकार कर दिया है। वह छोला श्मशान घाट के पास मजदूरी करते हुए मिले हैं। उनकी हालात भी विक्षिप्त जैसी है, लेकिन चेहरा मान सिंह से मिल रहा है। इसलिए अब डीएनए टेस्ट से पहचान की जाएगी। इस टेस्ट के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि पकड़ा गया व्यक्ति वास्तव में मान सिंह पटेल है या कोई और है।

इस प्रकरण में शामिल होने से मंत्री ने किया इनकार

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। मैं खुद चाहता हूं कि मामले की सही जांच हो और सच्चाई सामने आए। इस प्रकरण से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

मांगों को लेकर कई संगठन करेंगे प्रदर्शन, राजधानी भोपाल में करेंगे महाआंदोलन

शिक्षक दिवस पर सड़क पर उतरेंगे बेरोजगार युवा

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश के बेरोजगार युवा अगले महीने 5 सितंबर शिक्षक दिवस पर राजधानी भोपाल में जुटेंगे। भर्तियों से जुड़ी अपनी अपनी मांगों को लेकर कई संगठन भोपाल की सड़कों पर उतरने वाले हैं। ये सभी संगठन 5 सितंबर को भोपाल में अलग अलग प्रदर्शन करेंगे। स्कूल में शिक्षकों के हजारों पद खाली है, भर्तो हो नहीं रही है, ऐसे में अब शिक्षक बनने के लिए आंदोलन कर रहे युवा बेरोजगार शिक्षक दिवस मनाएंगे। इसके लिए भोपाल चलो का नारा शुरू हो गया है।

शिक्षक दिवस पर होने वाले प्रदर्शन में अकेले स्कूल शिक्षा से जुड़े तीन संगठन मैदान में उतरेंगे। अतिथि शिक्षक अपनी नियुक्ति के लिए, वेटिंग शिक्षक वर्ग 1 शिक्षक भर्ती 2023 में पदों को बढ़ाने के लिए और शिक्षक पात्रता परीक्षा 2018 उत्तीर्ण अभ्यर्थी संघ भर्ती पूर्ण कराने की मांग को लेकर भोपाल की सड़कों पर उतरेगा।

ये बेरोजगार भी करेंगे प्रदर्शन

पटवारी भर्ती जांच रिपोर्ट

सार्वजनिक करने की मांग सहित जेल उपनिरीक्षक, जेल प्रहरी, फॉरेस्ट गार्ड के 15 महीने से रिजल्ट जारी नहीं होने के विरोध में बेरोजगार सेना मैदान में उतरेगी। बेरोजगार सेना भी 5 सितंबर यानी शिक्षक दिवस को ही भोपाल में प्रदर्शन करेगी।

युवाओं की ये मुख्य समस्याएं

1. मई 2023 में हुई वर्ग 2 की पात्रता परीक्षा का अभी तक मुख्य परीक्षा की तारीख नहीं आई है।
2. शिक्षक पात्रता वर्ग- 2 में अभी तक ये नहीं बताया गया है कि कितने पदों पर भर्ती होगी?
3. ढठरळ की पिछले साल भर्ती का परीक्षा परिणाम आया नहीं और नई परीक्षा के फॉर्म भरवा लिए गए है।
4. लाखों पद बैकलॉग के खाली पड़े हुए है,सरकार इन पर भर्ती नहीं कर रही है।
5. पिछले 8 सालों से सब इंस्पैक्टर की भर्ती नहीं हुई है। सरकारी विभागों में रिक्त पद पड़े हुए हैं।

बदमाश बना रहे एफआईआर वापस लेने का दबाव

भोपाल में स्क्रैप व्यापारी का अपहरण कर छीने डेढ़ लाख रुपए

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी भोपाल में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू होने के बावजूद बदमाश बेखौफ नजर आ रहे हैं। आए दिन हो रही वारदातें पुलिस को चुनौती दे रही हैं। ताजा मामला भोपाल के चुनाभट्टी थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक स्क्रैप व्यापारी का अपहरण कर उसके साथ जमकर मारपीट की गई और जंगल में ले जाकर पैसे छीन लिए गए। हालांकि मामले में पुलिस ने मामूली धाराओं में एफआईआर दर्ज़ की है, लेकिन आरोपी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं। शहर के अयोध्या नगर में रहने वाले देवेंद्र रजक का इंदौर में कारोबार है। बीते 14 अगस्त की देर रात्रि आरोपी भगत राजपूत पुष्पराज राजपूत सहित तीन-चार अज्ञात व्यक्तियों ने कॉल कर धोखे से देवेंद्र को शाहपुरा स्थित बंसल हॉस्पिटल के पास बिजनेस की बातचीत करने के लिए बुलाया था। देवेंद्र अपने एक मित्र के साथ मुलाकात करने के लिए बंसल हॉस्पिटल पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें पास में ही मौजूद चाय की दुकान के पास आने को कहा। जैसे ही देवेंद्र वहां पहुंचे तो पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने बातचीत करते-करते अपहरण कर उन्हें इनोवा गाड़ी में अगवा कर लिया। सभी आरोपी देवेंद्र को नर्मदापुरम रोड से होते हुए भोजपुर के समीप एक जंगल में लेकर गए जहां उनसे मारपीट कर पैसे की मांग की गई। देवेंद्र के पास जेब में मौजूद 30 हजार रुपए नगदी सहित अकाउंट में मौजूद एक लाख 25 हजार आरोपियों ने मारपीट करते हुए छुड़ा लिए उसके बाद सभी आरोपी देवेंद्र को न्यू मार्केट के पास सुनसान जगह में छोड़कर फरार हो गए। देवेंद्र ने चुना भट्टी थाना पुलिस से पूरे मामले की शिकायत की है लेकिन अभी तक पुलिस के हाथ खाली है। उसके चलते फरियादी ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं। स्क्रैप व्यापारी देवेंद्र रजक के साथ हुई घटना के बाद अभी तक पुलिस के हाथ खाली है। पुलिस अपहरण और लूट के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं कर सकी है। पुलिस के ढीले रवैया के चलते आरोपियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं।

अश्लील वीडियो भी आरोपी ने किए वायरल

नाबालिग को प्रेम में फंसाकर बनाया वीडियो, फिर देह व्यापार में धकेला

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में देह व्यापार का सनसनीखेज मामला सामने आया है। युवक ने नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाया। उसका अश्लील वीडियो बनाकर दो महिलाओं के साथ देह व्यापार करवाने लगा। बार-बार ग्राहकों के पास जाने से नाबालिग परेशान हुई, तो उसने विरोध किया। इस पर आरोपी ने उसका अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद नाबालिग परिजनों के साथ महिला थाना पहुंची। पुलिस ने युवक समेत दो महिलाओं के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। आरोपी युवक फरार है।

महिला थाना पुलिस के अनुसार नाबालिग 17 वर्षीय युवती एमपी नगर इलाके में रहती है। पीड़िता के पास के मोहल्ले में राशिद कुरैशी नाम का युवक रहता है। वह निजी काम करता है। नाबालिग व राशिद की पड़ोसी मोहल्ले में रहने के कारण दोस्ती हो गई थी। इसी दौरान राशिद ने नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाया और उसके साथ दुष्कर्म कर उसका अश्लील वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वह नाबालिग को पिपलानी इलाके में दो महिलाओं के पास लेकर गया और उन्हें सौंप दिया। उक्त दोनों महिलाएं नाबालिग लड़की से देह व्यापार कराने लगीं। जब भी ग्राहक आता, नाबालिग को उनके हवाले कर दिया जाता।

महिलाएं लाती थीं ग्राहक

जिन दो महिलाओं को राशिद ने नाबालिग को सौंपा था, वह दोनों महिलाएं भी गंदा कार्य करती हैं। वहीं दोनों महिलाएं नाबालिग के लिए ग्राहक तलाश कर लाती थीं। नाबालिग ने मना किया, तो अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी जाने लगी। डर के कारण नाबालिग तैयार दरिंदगी सहने के लिए मान गई। राशिद प्रतिदिन उसे महिलाओं के साथ छोड़ जाता और महिलाएं ग्राहक खोजकर उससे देह व्यापार करवाने लगी। रोज-रोज जाने से नाबालिग परेशान होने लगी, उसने विरोध कर जाने से मना कर दिया। इससे गुस्साएं राशिद ने नाबालिग का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इससे परेशान नाबालिग परिजनों के साथ महिला थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने देह व्यापार करवाने वाली एक महिला को हिरासत में लिया है, जबकि एक महिला और मुख्य आरोपी राशिद अभी फरार है।

पुरानी इमारतें तोड़कर बनाई जाएगी नई 6 मंजिला इमारत, कैबिनेट के सामने पेश होगी परियोजना

विधायकों के लिए बनेंगे फ्लैट, ऑफिस की भी रहेगी सुविधा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधायकों की लंबे समय से चली आ रही अच्छे आवास उपलब्ध कराने की मांग को मोहन यादव सरकार पूरा करने जा रही है। 68 वर्ष बाद विधानसभा के पारिवारिक और विश्रामगृह खंड संख्या- एक को तोड़कर छह मंजिला इमारत बनाई जाएगी, जिसमें 106 फ्लैट रहेंगे। विधायकों के ऑफिस के लिए अलग से कक्ष रहेगा।

अब इस प्रस्तावित परियोजना को अंतिम निर्णय के लिए कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। मध्य प्रदेश विधानसभा पहले 320 सदस्यीय हुआ करती थी। इसके हिसाब से विधायकों के लिए पारिवारिक खंड और विश्रामगृह 1956 और कुछ भवन 70 के दशक में बनाए गए। छत्तीसगढ़ के अलग होने के बाद सदस्यों की संख्या घटकर 230 रह गई तो आवश्यकता के अनुसार विधायकों को दो-तीन कक्ष तक आवंटित कर दिए गए पर ये भी पर्याप्त नहीं हैं। कमरे छोटे-छोटे हैं। पार्किंग सहित अन्य सुविधाएं भी नहीं हैं। इसे देखते हुए चरणबद्ध तरीके से नए आवास बनाए जाएंगे।

पहले चरण में बनेंगे 106 फ्लैट

मिली जानकारी के मुताबिक, पहले चरण में 106 फ्लैट बनेंगे। प्रत्येक फ्लैट लगभग 2600 वर्गफीट का होगा। इसमें चार बड़े कमरे, आफिस के लिए एक कक्ष, बड़ा हाल और खुला क्षेत्र भी होगा। वाहन रखने के लिए प्रत्येक इमारत के बेसमेंट में व्यवस्था रहेगी। जिम, स्विमिंग पूल, कैंटीन, पारिवारिक कार्यक्रम करने के लिए सभागार भी बनाया जाएगा।

पहले निरस्त हुई थी योजना

विधायकों के लिए नए आवास बनाए जाने की योजना आज की नहीं है। 2015 में प्रस्ताव बन चुका है और सरकार ने भी सहमति दे दी थी, तब विधानसभा परिसर की रिक्त 22 एकड़ भूमि को आवासीय परियोजना के लिए चिन्हित किया था। इसमें बड़े पेड़ों के साथ छोटी झाड़ियों का जंगल है। एक हजार से अधिक पेड़ काटने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई थी। नगर निगम में कुछ पेड़ काट भी डाले थे पर पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों ने इसका विरोध किया और एनजीटी में भी मामला चला गया था। राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) ने शपथ पत्र देकर कहा था कि 22 एकड़ में से केवल ढाई एकड़ भूमि पर ही निर्माण होगा। इसके लिए 537 पेड़ काटे या छांटे जाएंगे। जितने पेड़ कटेंगे, उससे चार गुना पौधारोपण किया जाएगा। पेड़ों की कटाई का मामला सामने आने पर विरोध के बाद तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष डा. सीतासरन शर्मा ने परियोजना पर रोक लगा दी थी। उसके स्थान पर अब नई योजना बनाई गई है, जिसमें पेड़ नहीं काटे जाएंगे।

सम्पादकीय

लेटरल एंट्री के जरिये नियुक्ति पर यू-टर्न लेना कितना सही?

भारत सरकार जिन शीर्ष पदों पर 'विशेषज्ञों' की सीधी भर्ती करना चाहती थी, वे सामान्य आरक्षण के दायरे में नहीं थीं। संयुक्त सचिव 10 और निदेशक/ उपसचिव की 35 भर्तियां सरकार करना चाहती थी। उसका विज्ञापन भी सार्वजनिक किया गया था। यह कवायद पहली बार नहीं की जा रही थी। इस सूची में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का नाम भी है, जिन्हें 'विशेषज्ञ अर्थशास्त्री' के कारण तत्कालीन केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया था।

सरकार मिड-लेवल पर 45 विशेषज्ञों को लेटरल एंट्री के जरिये नियुक्त करने जा रही थी लेकिन विरोध के चलते यू-टर्न ले लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर कार्मिक मंत्रालय ने यूपीएससी को लेटरल एंट्री से भर्ती के विज्ञापन को वापस लेने को कहा है। लेटरल एंट्री से भर्ती का मुख्य विपक्षी कांग्रेस के साथ-साथ एलजेपी जैसे एनडीए के सहयोगी भी विरोध कर रहे थे। सरकार भले ही विरोध के आगे झुक गई लेकिन लेटरल एंट्री से सरकार में उच्च पदों पर डायरेक्ट भर्ती का सिलसिला तो पहले से चला आ रहा है। दरअसल आरक्षण पर फर्जी, छद्म, झूठी, अतार्किक कहानियां गढ़ी जा रही हैं। खासकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आरक्षण और उसके आधार संविधान के जरिए मोदी-विरोध की राजनीति कर रही हैं। लोकसभा चुनाव में उनका यह हथियार, कमोबेश उप्र और महाराष्ट्र में, कारगर साबित हुआ। राजस्थान में भी भाजपा को कुछ हद तक नुकसान झेलना पड़ा। अब उपचुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी वे इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं। न तो संविधान को खत्म किया जा सकता है और न ही आरक्षण छीना जा सकता है, इसे देश को ब्रह्मसत्य मानना चाहिए। यदि दलित, आदिवासी और ओबीसी के किसी बच्चे को, प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर, आरक्षण की सुविधा न मिले और पहली नौकरी के समय आरक्षण की अनिवार्यता लागू न की जाए, तो वह आरक्षण-विरोध है। उस पर आंदोलित भी होना चाहिए और अदालत का दरवाजा भी खटखटाना चाहिए, लेकिन भारत सरकार जिन शीर्ष पदों पर 'विशेषज्ञों' की सीधी भर्ती करना चाहती थी, वे सामान्य आरक्षण के दायरे में नहीं थीं। संयुक्त सचिव 10 और निदेशक/ उपसचिव की 35 भर्तियां सरकार करना चाहती थी। उसका विज्ञापन भी सार्वजनिक किया गया था। यह कवायद पहली बार नहीं की जा रही थी। इस सूची में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का नाम भी है, जिन्हें 'विशेषज्ञ अर्थशास्त्री' के कारण तत्कालीन केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया था। फिर योजना आयोग का उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था। 1991 में जब वे केंद्रीय वित्त मंत्री बने, तो वित्त सचिव के पद पर उन्होंने मोंटेक सिंह आहलूवालिया को मांगा था। मोंटेक आईएएस नहीं थे, फिर भी देश के वित्त सचिव बनाए गए। बाद में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार में उन्हें योजना आयोग का उपाध्यक्ष भी बनाया गया। इसी सूची में रघुराम राजन, विमल जालान, नंदन नीलेकणि, सैम पित्रोदा, एनटीपीसी के चेयरमैन रहे पी. कपूर आदि सैकड़ों नाम दर्ज हैं, जिन्हें सरकार ने सीधे ही नौकरशाही के वरिष्ठ पदों पर नियुक्त किया था। ऐसी नौकरियां 1968 से दी जा रही हैं और अधिकतर कांग्रेस सरकारों के दौरान ही दी गई हैं। तब संविधान को खत्म करने और आरक्षण को छीनने के मुद्दे नहीं उठाए गए। अब भी सीधी भर्ती वाले 57 शीर्ष अधिकारी भारत सरकार में कार्यरत हैं। इन भर्तियों से आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, आईआरएस आदि के युवा दावेदार कहीं भी प्रभावित नहीं होंगे। यह मुद्दा राहुल गांधी बार-बार उठा रहे हैं। भारत सरकार में जो अधिकारी आज सचिव के पद पर हैं, वे 1990 के दशक में आईएएस बने होंगे। आरक्षण तब लागू हुआ होगा, नतीजतन 3-4 सचिव आज अनुसूचित जाति और जनजाति के भी हैं। इस व्यवस्था में प्रधानमंत्री भी कुछ नहीं कर सकते। संघ लोक सेवा आयोग की अपनी स्वायत्तता है। लोकतंत्र में जनादेश ही अधिकार देता है। जनादेश से जिसकी सत्ता बनी है और प्रधानमंत्री, कैबिनेट आदि तय हुए हैं, तो संविधान उन्हें कुछ विशेषाधिकार भी देता है। पहले तो प्रधानमंत्री ही तमाम संवैधानिक पदों पर नियुक्ति करते थे। अब कमोबेश नेता प्रतिपक्ष भी चयन समिति के सदस्य हैं। लिहाजा सीधी भर्तियां भी सरकार कर सकती है। इसमें कुछ भी असंवैधानिक नहीं है। यदि विपक्ष को कुछ गलत लगता है, तो वह सर्वोच्च अदालत में चुनौती दे सकता है।

समय की सबसे बड़ी मांग अक्षय ऊर्जा

अक्षय ऊर्जा वह ऊर्जा है, जो असीमित और प्रदूषणरहित है या जिसका नवीकरण होता रहता है। ऊर्जा के ऐसे प्राकृतिक स्त्रोत, जिनका क्षय नहीं होता, अक्षय ऊर्जा के स्त्रोत कहे जाते हैं। अक्षय ऊर्जा के महत्त्वपूर्ण स्त्रोतों में सूर्य, जल, पवन, ज्वारभाटा, भूताप इत्यादि प्रमुख हैं। उदाहरण के रूप में सौर ऊर्जा को ही लें। सूर्य सौर ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत है, जिसकी रोशनी स्वत- ही पृथ्वी पर पहुंचती रहती है।

पूरी दुनिया में पारंपरिक ऊर्जा के मुकाबले अक्षय ऊर्जा की मांग लगातार तेजी से बढ़ रही है। दरअसल वर्तमान में पूरी दुनिया पर्यावरण संबंधी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है और पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत इस समस्या को और ज्यादा विकराल बनाने में सहभागी बन रहे हैं जबकि अक्षय ऊर्जा इन गंभीर चुनौतियों से निपटने में कारगर साबित हो सकती है। यही कारण है कि भारत में भी अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। विभिन्न अवसरों पर प्रधानमंत्री सौर ऊर्जा को श्योर, प्योर और सिक्योर बताते हुए अक्षय ऊर्जा के महत्व को स्पष्ट रेखांकित कर चुके हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन के मामले में भारत की यह बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है कि भारत दुनियाभर में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में चौथे स्थान पर पहुंच चुका है। देश में अक्षय ऊर्जा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ही वर्ष 2004 से प्रतिवर्ष 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस मनाया जाता है। प्रदूषणकारी और सीमित मात्रा में उपलब्ध पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों के बजाय अक्षय ऊर्जा से ही ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए अब देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से उत्पादित होने वाली बिजली के कारण वातावरण में प्रतिवर्ष लाखों टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा। अक्षय ऊर्जा उत्पादन के मामले में यह संतोषजनक स्थिति ही है कि भारत इस मामले में दुनिया का चौथा देश है और नई-नई अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के साथ तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। कर्नाटक के पावगाड़ा में दो हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सोलर पार्क सहित देश में रीवा से भी ज्यादा सौर ऊर्जा का उत्पादन कर रहे कुछ और सोलर पार्क भी देश में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। बहरहाल, अक्षय ऊर्जा को लेकर यह जानना बहुत जरूरी है कि अक्षय ऊर्जा आखिर है क्या और इसके स्त्रोत कौन से हैं? अक्षय ऊर्जा वह ऊर्जा है, जो असीमित और प्रदूषणरहित है या जिसका नवीकरण होता रहता है। ऊर्जा के ऐसे प्राकृतिक स्त्रोत, जिनका क्षय नहीं होता, अक्षय ऊर्जा के स्त्रोत कहे जाते हैं। अक्षय ऊर्जा के महत्त्वपूर्ण स्त्रोतों में सूर्य, जल, पवन, ज्वारभाटा, भूताप इत्यादि प्रमुख हैं। उदाहरण के रूप में सौर ऊर्जा को ही लें। सूर्य सौर ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत है, जिसकी रोशनी स्वत- ही पृथ्वी पर पहुंचती रहती है। यदि हम सूर्य की इस रोशनी को सौर ऊर्जा में परिवर्तित नहीं भी करते हैं, तब भी यह रोशनी तो पृथ्वी पर आती ही रहेगी लेकिन क्योंकि सूर्य से प्राप्त होने वाली इस असीमित ऊर्जा के उपयोग से न तो यह ऊर्जा घटती है और न ही इससे पर्यावरण को किसी भी प्रकार की क्षति पहुंचती है, इसीलिए सूर्य से प्राप्त होने वाली इस ऊर्जा को अक्षय ऊर्जा कहा जाता है। ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन से बचाव के दृष्टिगत ही आज अक्षय ऊर्जा को अपनाना समय की सबसे बड़ी मांग है। दरअसल पूरी दुनिया इस समय पृथ्वी के बढ़ते तापमान और ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं को लेकर बेहद चिंतित है, इसीलिए कोयला, गैस, पेट्रोलियम पदार्थों जैसे ऊर्जा के परंपरागत स्त्रोतों के बजाय अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। भारत सहित कई प्रमुख देशों में अब थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल को कम करते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्त्वपूर्ण स्त्रोतों का उपयोग किया जाने लगा है। दरअसल आज स्वच्छ वातावरण के लिए कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांटों के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी की पूरी दुनिया को जरूरत है और इन्हीं जरूरतों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री वन वर्ल्ड, वन सन, वन ग्रिड की बात करते हुए इस ओर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित कर चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता कई गुना बढ़ चुकी है। इसके अलावा करीब साढ़े तीन दशक पूर्व पवन ऊर्जा से ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की शुरू की गई पहल के बाद से देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता भी काफी बढ़ चुकी है। चीन, अमरीका और जर्मनी के बाद भारत अब पवन ऊर्जा उत्पादन के मामले में भी चौथे स्थान पर है। फिलहाल जिस प्रकार देश में शुद्ध, सुरक्षित और भरोसेमंद ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं, उससे लगता है कि अगले कुछ दशकों में देश की कोयला, गैस इत्यादि प्रदूषण पैदा करने वाले स्त्रोतों से ऊर्जा पर निर्भरता काफी कम हो जाएगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक भारत की अक्षय ऊर्जा स्थापित क्षमता को 500 गीगावॉट तक विस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है और 2030 तक देश के कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन को 1 बिलियन टन तक कम करने, दशक के अंत तक देश की अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करने तथा वर्ष 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्ति का लक्ष्य निर्धारित किया है।

हाल ही में मूडीज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा का उत्पादन करना है और भारत को 2030 तक इस अक्षय ऊर्जा लक्ष्य को पूरा करने के लिए 385 बिलियन डॉलर का निवेश करना होगा। मूडीज के अनुसार भारत हालांकि 2022 तक 175 गीगावाट के अपने लक्ष्य से चूक गया था लेकिन 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत की गैर जीवाश्म ईंधन क्षमता को प्रतिवर्ष 50 गीगावाट बढ़ाने की योजना है और मूडीज के अनुमान के मुताबिक 44 गीगावाट की वार्षिक क्षमता वृद्धि भी लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी। मूडीज का कहना है कि 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत को आगामी 6-7 वर्षों में 190-215 बिलियन डॉलर तथा ट्रांसमिशन और वितरण पर 150-170 बिलियन डॉलर खर्च करने होंगे। मूडीज के मुताबिक भारत के मजबूत नीतिगत समर्थन ने वित्त वर्ष 2023-24 में अपनी बिजली उत्पादन क्षमता में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी को करीब 43 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है, साथ ही निजी क्षेत्र के निवेश को भी आकर्षित किया है। नवीकरणीय ऊर्जा में लगातार वृद्धि भी देखी जा रही है लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि कोयला अगले 10 वर्षों तक बिजली उत्पादन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मूडीज का कहना है कि उसे उम्मीद है कि भारत अगले पांच से छह वर्षों में कोयला आधारित क्षमता में प्रतिवर्ष 40-50 गीगावाट जोड़ेगा, जिससे बिजली की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी, जो इस अवधि में 5-6 प्रतिशत वार्षिक की दर से बढ़ने की संभावना है। बहरहाल, आने वाले वर्षों में अक्षय ऊर्जा क्षमता को तेजी से बढ़ाने के लिए काफी कार्य करना होगा, क्योंकि माना जा रहा है कि डेढ़ दशक बाद भारत में सौर ऊर्जा की मांग सात गुना तक बढ़ सकती है। आज न केवल भारत बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्त्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही ऐसा विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने कारगर होगी।

बता दें कि भारतीय अक्षय ऊर्जा दिवस हर साल 20 अगस्त को मनाया जाता है, इस दिन का उद्देश्य अक्षय ऊर्जा के महत्व को बढ़ावा देना है, ऊर्जा संकट और जलवायु परिवर्तन को देखते हुए, यह दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, इसके माध्यम से अक्षय ऊर्जा के लाभों को बड़े रूप से बताया जाता है।

इस दिन का मुख्य उद्देश्य अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों जैसे सौर, पवन और जल ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है, यह ऊर्जा संकट और पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान में मददगार साबित हो सकती है, लोगों को अक्षय ऊर्जा के फायदों और इसके इस्तेमाल के तरीकों के बारे में जागरूक किया जाता है।

भारतीय अक्षय ऊर्जा दिवस की शुरूआत 2004 में हुई थी, इसका उद्देश्य अक्षय ऊर्जा के प्रति लोगों को जागरूक करना और इसके महत्व को समझाना है, यह दिन भारत में अक्षय ऊर्जा के विकास और प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित किया गया था। इस दिन विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जैसे सेमिनार, कार्यशालाएं और प्रदर्शनी, इन कार्यक्रमों में अक्षय ऊर्जा के लाभ, नई तकनीकी और उपयोग के तरीके पर चर्चा की जाती है, इसके अलावा, स्कूलों और कॉलेजों में भी जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं।

तालिबानी कुशासन के तीन साल, अफगान लोगों के लिए एक दु:स्वप्न की तरह

अफगानिस्तान की सत्ता में तालिबान को लौटे तीन साल हो गए हैं, लेकिन इस दौरान वे कई मोर्चों पर बुरी तरफ विफल साबित हुए हैं। तालिबानी शासन महिलाओं के दमन, पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से बिगड़ते संबंधों और अंतरराष्ट्रीय मान्यता के लिए निरर्थक संघर्ष के लिए पहचाना जाता रहा है। यही नहीं, तालिबानी शासन अफगान लोगों के लिए एक दु:स्वप्न की तरह है।

काबुल में तालिबानी शासन को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिसने उसके गवर्नेंस मॉडल की सीमाओं को उजागर कर दिया है। इन मुद्दों को सुलझाने की उसकी क्षमता ही अफगानिस्तान की भावी स्थिरता और सत्ता में तालिबान की दीर्घजीविता को निर्धारित करेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग होना, आर्थिक संकट, सुरक्षा जोखिम और आंतरिक विभाजन उसके लिए महत्वपूर्ण बाधाएं हैं, जिनसे आने वाले वर्षों में तालिबान को निपटना होगा। अगस्त, 2021 में काबुल पर कब्जा करने के बाद विभिन्न चुनौतियों ने उनके शासन और राजनीतिक वैधता की परीक्षा ली है। सत्ता में तीन साल रहने के बाद भी तालिबान के सामने कई प्रमुख मुद्दे बरकरार हैं।

तालिबान सरकार को अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अभी तक मान्यता नहीं दी है, जिससे औपचारिक राजनयिक संबंध बनाने और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणालियों तक पहुंचने में उसे मुश्किल हो रही है। अफगानिस्तान विदेशी सहायता पर बहुत ज्यादा निर्भर है, जो तालिबान के सत्ता में आने के बाद से काफी कम हो गई है। प्रतिबंधों, खासकर अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों ने देश की अर्थव्यवस्था को और भी ज्यादा प्रभावित किया है।

महिला अधिकारों पर तालिबान की प्रतिबंधात्मक नीतियों, खासकर एक निश्चित उम्र के बाद लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध, की व्यापक निंदा हुई है, जिसने शासन को वैश्विक समुदाय से अलग-थलग कर दिया है। इससे घरेलू अशांति और असंतोष भी बढ़ा है। तालिबान द्वारा सख्त शरिया कानून लागू करने से मानवाधिकारों के हनन की चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसमें सार्वजनिक रूप से फांसी देना और अंग-भंग करना शामिल है। इन प्रथाओं की वैश्विक स्तर पर आलोचना की गई है और इससे अफगान आबादी में डर और आक्रोश पैदा हुआ है। अफगान अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट आई है, मुद्रा का मूल्य कम हो रहा है और मुद्रास्फीति बढ़ रही है। बैंकिंग प्रणाली ढहने के कगार पर है और देश में नकदी की भारी कमी है। व्यापक बेरोजगारी और गरीबी ने मानवीय संकट को जन्म दिया है। कई अफगान लोग बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं और खाद्य असुरक्षा व्याप्त है। इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसआईएस-के) लगातार खतरा बना हुआ है, जो पूरे मुल्क में घातक हमले कर रहा है। इन हमलों से तालिबान की सुरक्षा क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। तालिबान के भीतर भी मतभेद हैं, जिसमें अलग-अलग गुट सत्ता के लिए होड़ कर रहे हैं। ये विभाजन अंदरूनी कलह को जन्म दे सकते हैं और उनके नियंत्रण को अस्थिर कर सकते हैं।

आरक्षण का वर्गीकरण समय की मांग, सुप्रीम कोर्ट का निर्णय कई मायनों में क्रांतिकारी

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति में आरक्षण वर्गीकरण की बहस, जो लंबे समय से चली आ रही थी, को सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय से दूर कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 6-1 के बहुमत के फैसले में कहा कि राज्यों को राष्ट्रपति ने सूची में अधिसूचित अनुसूचित व अनुसूचित जनजातियों को उपवर्गीकृत करने की अनुमति प्रदान कर दी है, ताकि उन्हें सार्वजनिक रोजगार और शिक्षा में 'अधिक' अधिमान्यता प्रदान की जा सके।

यह निर्णय कई मायनों में क्रांतिकारी साबित होगा, क्योंकि देश में वंचित तबकों के अंदर कई तरह के सामाजिक समुदाय जैसे, कामगार, हुनरमंद, कारीगर और बागवानी आदि करने वाले वर्ग सामाजिक न्याय की नीतियों और राजनीति को दुरुस्त करने के लिए लंबे समय से मुखर हैं, लेकिन उन समुदायों की समाज व राजनीति में अदृश्यता है। इसलिए देश की संसद तक उनकी आवाज नहीं आ पाती है। इससे उन आवाजों को भी बल मिलेगा और उन पर विचार किया जा सकेगा।

वर्ष 2004 में सुप्रीम कोर्ट की ईवी चिनैया की पांच सदस्यीय पीठ ने अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत वर्गीकरण पर रोक लगा दी थी, जबकि इस निर्णय में मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'अनुच्छेद 341(2) एक एकीकृत समरूप वर्ग नहीं बनाता है। ऐतिहासिक और अनुभवजन्य साक्ष्य दर्शाते हैं कि अनुसूचित जातियां सामाजिक रूप से विषम वर्ग हैं। इस प्रकार, अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए राज्य अनुसूचित जातियों को और वर्गीकृत कर सकता है।' मुख्य न्यायाधीश ने उपवर्गीकरण का विरोध करने वाले अनुसूचित समुदायों के विषय पर कहा कि उनका 'रवैया' ट्रेन के सामान्य डिब्बे में बैठे व्यक्ति जैसा है। सबसे पहले, डिब्बे के बाहर के लोग अंदर?जाने के लिए संघर्ष करते हैं। एक बार वे अंदर पहुंच जाते हैं, तो बाहर के लोगों को उसमें प्रवेश करने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। आरक्षण वर्गीकरण के विरोध में कई तरह के भ्रामक तर्कों से वर्गीकरण की बहस को भटकाया जा रहा है, जबकि?हमें फैसले को इस तरह से भी देखने की जरूरत है कि सर्वोच्च न्यायालय ने जाति पदानुक्रम के सबसे निचले पायदान पर स्थित सबसे कम सुविधा प्राप्त समुदायों की चिंताओं को सामने लाकर न्याय की खोज को और गहरा कर दिया है। विरोधी?रुख?उनके ही वर्ग के अति वंचित वर्गों में उनके लिए अविश्वसनीयता पैदा कर रहा है, जबकि विरोधी रुख अपनाने वालों को सोचना चाहिए कि इससे उनकी असांविधानिक व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई को और मजबूती मिलेगी, क्योंकि उनके साथ वे लोग भी खड़े मिलेंगे, जो अब तक उनकी मुहिम में साथ खड़े नहीं दिखाई देते थे, उसका प्रमुख कारण था कि वे मुख्य व्यवस्था का हिस्सा ही नहीं बन पाए थे।

अलग-अलग राज्यों में अनुसूचित जाति की जातियां सामाजिक-राजनीतिक रूप से बेहद सक्रिय हैं। जैसे महाराष्ट्र में तीन दर्जन से अधिक जातियां शामिल हैं, लेकिन महार और मातंग सबसे प्रमुख हैं। इनकी साक्षरता दर तुलनात्मक रूप से उच्च है। वहीं अनुसूचित जनजाति में गोंड और भील, दो सबसे बड़ी जनजातियां हैं, जबकि राजस्थान की राज्य सूची में कुल 59 अनुसूचित जातियां शामिल हैं, लेकिन मेघवाल सबसे बड़ा अनुसूचित जाति समुदाय है, जिसकी सामाजिक-राजनीतिक स्थिति अन्य के मुकाबले बेहतर है। वहीं अनुसूचित जनजाति में मीणा सबसे प्रमुख जनजाति है, दर्जनों विधानसभा सीटों पर चुनावी नतीजों को प्रभावित करती है। समुदाय की देश भर में पुलिस और नौकरशाही में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। उत्तर प्रदेश और बिहार में जाटव, पासी और दुसाध सबसे प्रमुख और सामाजिक-राजनीतिक रूप से सक्रिय जातियां हैं, जबकि इन्हीं राज्यों में मुसहर, सपेरा, बहेलिया, कलाबाज, वाल्मीकि और बदवाल आदि दर्जनों जातियां बेहद कमजोर स्थिति में हैं।

न्यायमूर्ति बीआर गवई ने कहा, 'लाभार्थी समूहों के भीतर असमानताओं की जमीनी हकीकत इतनी स्पष्ट है कि इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि एक नौकरशाह और एक शारीरिक मजदूर के बच्चे के साथ एक जैसा व्यवहार करना, भले ही दोनों अनुसूचित जाति समुदाय से हों, सांविधानिक जनादेश को पराजित करेगा।' सामाजिक न्याय और आरक्षण का वर्गीकरण ऐसा मुद्दा है, जिसमें लगातार संशोधन नहीं हुआ, तो यह एक नया जातिवाद गढ़ देगा। अत: वर्तमान में चली आ रही आरक्षण प्रणाली को एंपिरिकल डाटा के आधार पर आरक्षण को दो से अधिक वर्गों में विभाजित किया जाना चाहिए और प्रत्येक उपसमूह के लिए जनसंख्या में उनकी हिस्सेदारी के आधार पर अलग-अलग कोटा निर्धारित किया जाना चाहिए। पिछड़े वर्ग के अंदर से उठ रही आवाजों को भी पहचाने जाने की जरूरत है, ताकि केंद्र स्तर पर आरक्षण का वर्गीकरण किया जा सके।

क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया भुजलिया पर्व रूठे हुए को मनाने का महोत्सव

तालाब तथा नदी तट पर महिलाओं ने किया भुजलिया विसर्जन

लकेश पंचेश्वर। सिटी चीफ । लालबर्रा, नगर मुख्यालय से लगभग 13 किलोमीटर कि दूरी पर स्थित ग्राम जाम में तालाब के तट पर महिलाओं के द्वारा 31 अगस्त को शाम 5ः00 बजे भुजलिया विसर्जन किया गया जिसमें महिलाओं के द्वारा अपने अपने घरों के आंगन में भुजलिया को निकालकर पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात सभी महिलाएं जाम चौक पर एकत्रित होकर ढोल शहनाई द्वारा संगीत मय वातावरण में भुजलिया को लेकर कतारबद्ध रूप से तालाब की ओर प्रस्थान किया तालाब के तट पर भुजलिया रखकर भुजलिया की परिक्रमा कर पूजन अर्चन किया गया एवं भुजलिया का विसर्जन किया गया इस अवसर पर ग्रामीण जनप्रतिनिधि महिला युवक युवतियां एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे यही मुख्यालय सहित जाम,नेवरगांव (ला.), बांदरी, बहेंगाव, मोहगाव (जाम), छिंदलई, खैरगाव, सहित अन्य ग्रामों में बाजे गाजे के साथ महिला युवक युवतियां सज धज कर भुजलियां की टोकरी लेकर तालाब,नहर,नदी तलैया,में पानी में ठंडा कर सर्वप्रथम भगवान को अर्पित कर रूठे हुए को मनाने का महोत्सव है भुजली पर्व यह पर्व बुंदेलखंड में विशेष महत्व रखता है बुंदेलखंड में यह पर्व विजय के रूप में मनाया जाता है। इसी तरह जाम में भी महिलाएं युवतियां टाका तालाब में भुजलियाँ विसर्जन कर अपने अपने बड़े बुजुर्गो को भेंट कर आशीर्वाद भी लिया आपको बता दे कि महिलाएं एक सप्ताह पूर्व पूजा अर्चना व आराधना कर बोया जाता है। भुजलियां पर्व पर लोगों में खासी खुशी उत्साह देखी जाती है।

बड़ोदिया महाविद्यालय में मनाया अक्षय ऊर्जा दिवस

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ । शाजापुर, शासकीय महाविद्यालय, मोहन ईश्वर दास वैष्णव । बड़ोदिया में गठित भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में आज को अक्षय ऊर्जा दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से विद्यार्थियों को अवगत करवाना, ऊर्जा के संरक्षण व सदुपयोग के प्रति उन्हें जागरूक करना एवं भारतीय ज्ञान परंपरा में अक्षय ऊर्जा के ज्ञान चिंतन से अवगत करवाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में आमंत्रित मध्य प्रदेश शासन के रेवा अल्ट्रा मेगा सोलर प्लांट, आगर मालवा के अशोका कंस्ट्रक्शन कंपनी के सीनियर आफिसर श्री राजू दास एवं आफिस हेड, श्री गोपाल सोनार तथा प्राचार्य डॉ. एस. के. तिवारी के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण द्वारा किया गया । इसके पश्चात छात्रा उर्मिला राजपूत, शिवानी सूर्यवंशी एवं अभिलाषा पाटीदार द्वारा अक्षय प्राणोर्जा के मूल स्रोत सूर्य देव की स्तुति प्रस्तुत की गयी। प्राचार्य द्वारा दोनों अतिथियों का पुष्पहार से स्वागत किया गया एवं उनके द्वारा अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय परिवार की ओर से आमंत्रित तिथियों के स्वागत के साथ ही विद्यार्थियों से ऊर्जा के अधिकतम सदुपयोग तथा अक्षय ऊर्जा स्रोतों के प्रति एक सम्मान का भाव रखने की बात कही गयी। मुख्य वक्ता श्री राजूदास द्वारा विस्तार से अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों की जानकारी दी गयी एवं साथ ही सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट के निर्माण, बिजली उत्पादन एवं वितरण की तकनीक पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। आयोजन प्रभारी एवं संचालक डॉ. केशव शर्मा ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में अक्षय ऊर्जा के चिंतन संबंधी प्रमाणों , प्रकृति के शास्वत ऊर्जा स्रोतों के प्रति भारतीय समाज द्वारा दैवीय भाव रखते हुए, उनकी आराधना एवं भारत में सूर्योपासना के सुदीर्घ परंपरा से अवगत करवाया। कार्यक्रम में प्रकोष्ठ द्वारा अक्षय ऊर्जा संरक्षण पर आयोजित पोस्टर रचना एवं निबंध प्रतियोगिता के परिणाम भी जारी किये गये। पोस्टर विधा में नरेंद्र प्रजापति, बी. ए. प्रथम वर्ष ने प्रथम, आशिक चौकुटिया तथा पंकज मालवीय,बी.ए. द्वितीय ने द्वितीय एवं पायल सूर्यवंशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । वहीं निबंध में आशिक चौकुटिया ने प्रथम, रोहित परिहार ने द्वितीय एवं रोहित मालवीय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंत में आयोजन में मौजूद सभी विद्यार्थियों व स्टाफ को अक्षय ऊर्जा संरक्षण संकल्प की शपथ दिलवाई गयी। आभार प्रदर्शन डॉ. अंजनी कुमार तिवारी ने किया। कार्यक्रम में डॉ राजकुमार सूत्रकार, अभय भोंसले , गोपाल वर्मा, सायरा बानो खान, जितेंद्र विश्वकर्मा व मोहन सूर्यवंशी सहित बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सतना में हुआ इंडियाज बेस्ट सिम्स गॉट टैलेंट रियलिटी शो

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ। सतना, स्नेहा इवेंट एंड मैनेजमेंट द्वारा की पुजारी गार्डन में रियलिटी शो के प्रथम चरण के ऑडिशंस किया गया, कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाज सेविका एवं मधुरिमा फाउंडेशन की संस्थापक श्रीमती स्वप्ना वर्मा कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे हैं ब्रिगेडियर भूपेंद्र प्रताप सिंह जी, द्वारा की गई, ।प्रोग्राम को जज कर रही लोगगीत गायिका मणिमाला सिंह एवं फिल्म अभिनेता चंद्रकांत द्विवेदी,द्वारा लिए गए। कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक प्रतिभागियों ने अपना ऑडिशन दिया, बताया गया कि इसमें कुछ स्पेशल परफॉर्मेंस भी कराई गई जिसमें शहर के युवा कलाकार जतिन श्रॉफ, अरुण मणि त्रिपाठी ,लक्खा लक्खा जी ने समा बांध दिया, कार्यक्रम में बच्चियों ने ड्यूट परफॉर्मेंस भी किया, और अरमान अली ने अपनी प्रस्तुति दी,मंच का संचालन करते हुए संजय गुप्ता ने, अहम भूमिका निभाई।। कार्यक्रम के संस्थापक एवं स्नेहा इवेंट के डायरेक्टर विष्णु मिश्रा जी ने बताया कि यह ऑडिशन का पहला प्रथम चरण था,बिल्कुल निशुल्क लिया गया था,दूसरा चरण जबलपुर ,तीसरा भोपाल , इन्दौर, रायपुर के बाद फाइनल मुंबई में किया जाएगा।

बसंत कराटे एकेडमी के दो खिलाड़ियों ने देवबंद का नाम किया रोशन

कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नेशनल कराटे चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते

गौरव सिंघल । सिटी चीफ। सहारनपुर। देवबंद, बसंत कराटे एकेडमी के दो खिलाड़ियों ने कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नेशनल कराटे चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीतकर देवबंद नगर का नाम रोशन किया है। कराटे कोच सिंहान बसंत उपाध्याय ने बताया कि पंचकूला-हरियाणा ओलंपिक भवन में हुए कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नेशनल कराटे चैंपियनशिप में बसंत कराटे एकेडमी के दो खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण पदक जीते है। उन्होंने बताया कि आज तक सहारनपुर जिले का कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय टूर्नामेंट में एक भी मेडल नहीं था, लेकिन सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए बसंत कराटे एकेडमी के खिलाड़ियों ने ब्रांच नहीं, सिल्वर नहीं बल्कि सीधा ही गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने बताया कि पंचकूला- हरियाणा ओलंपिक भवन में हुए नेशनल कराटे चैंपियनशिप में फाईट में नीशू प्रजापति ने अपनी कैटेगरी - 21 वर्ष में गोल्ड मेडल जीता और वही अनमोल ने अपनी कैटेगरी में काता इवेंट में गोल्ड मेडल जीता है। विजेता खिलाड़ियों को महासचिव योगेश कालरा, जयदेव शर्मा, विनोद वर्मा व अमित गुप्ता ने सम्मानित किया है। बसंत उपाध्याय ने बताया कि निशु प्रजापति का इंडिया टीम में सिलेक्शन हुआ है और पूरे उत्तर प्रदेश की वह पहले प्लेयर है जिसका टीम इंडिया में सिलेक्शन हुआ है।

कटनी में उत्साह से मनाया गया रक्षाबंधन का त्योहार

सुनील यादव। सिटी चीफ । कटनी, भाई और बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार सोमवार को कटनी शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में अपार उत्साह, उमंग एवं हर्ष उल्लास के बीच मनाया गया। भद्रा समाप्त होते ही शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों की कलाई में रक्षा सुत राखी बांधकर जन्म जन्म तक सुख-दुःख में साथ निभाने एवं जीवन भर रक्षा का वचन भाईयों से लिया। वहीं भाईयों ने भी बहनों को उपहार देकर हमेशा साथ निभाने का वादा किया। इस दौरान मुंह मीठा करने का दौर भी जारी रहा। घर के बुढे- बुजुर्गों का पैर छुकर आशिर्वाद लिया गया। दोपहर में अधिकांश बहनों ने भाई की कलाई पर राखी सजाई और उपहार पाकर अपनों के साथ खुशियां मनाई। सुबह से शुरू हुआ रक्षाबंधन का त्यौहार रात तक चलता रहा।

जयस के पूर्व अध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान भारत आदिवासी पार्टी के जिलाध्यक्ष नियुक्त

दिनेश निनामा प्रदेश उपाध्यक्ष,धर्मेंद्र अजनार कार्यकारी अध्यक्ष एवं सारिंग बामनिया महासचिव हुए मनोनीत

रिज़वान शेख। सिटी चीफ। आलीराजपुर, भारत आदिवासी पार्टी की राष्ट्रीय कमेटी के मार्गदर्शन में एवं मध्यप्रदेश बीएपी कमेटी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के जिलाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के विभिन्न पदों की नियुक्ति के लिए भोपाल में बैठक आयोजित की गई जिसमें प्रदेश कार्यकारिणी सहित विभिन्न जिले के जिला अध्यक्ष की भी नियुक्ति की गई हैं।जिसमें आलीराजपुर जिले से दिनेश निनामा को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जयस के पूर्व अध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान को जिला अध्यक्ष,धर्मेंद्र अजनार को कार्यकारी जिला अध्यक्ष एवं सारिंग बामनिया को जिला महासचिव नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर भारत आदिवासी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्र असलकर, सैलाना विधानसभा क्षेत्र के विधायक कमलेश्वर डोडियार, प्रदेश अध्यक्ष केसु निनामा, प्रदेश महासचिव बालू सिंह गामड़ ने नियुक्त पत्र प्रदान किया है।भारत आदिवासी पार्टी का जिले में विस्तार होने पर विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं कार्यक्रताओं ने सहर्ष व्यक्त कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई है।

भगत सिंह वर्मा ने कहा

पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण के लिए बड़ा आंदोलन होगा... घर-घर जाकर जन आंदोलन बनाएंगे

गौरव सिंघल। सिटी चीफ। सहारनपुर, भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने ग्राम भाऊपुर में एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश बनाने के लिए बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जिसके लिए गांव- गांव व घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करके जन आंदोलन बनाया जाएगा। वर्मा ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 8 करोड़ जनता की उन्नति के लिए पृथक राज्य का निर्माण जरूरी है। पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर सहारनपुर और मेरठ में एम्स की स्थापना होगी और यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षण संस्थाएं होगी। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिले, 6 मंडल, 27 लोकसभा क्षेत्र, 137 विधानसभा क्षेत्र और 8 करोड़ जनसंख्या का राज्य देश ही नहीं दुनिया में सबसे उन्नतशील और खुशहाल राज्य होगा। जिसमें सभी को शिक्षा और चिकित्सा निःशुल्क होगी और शिक्षित युवाओं को शत-प्रतिशत रोजगार होगा। यहां पर प्रति व्यक्ति वार्षिक आय दुनिया में कतर देश से भी अधिक होगी। भगत सिंह वर्मा ने महामहिम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर राज्य पुनर्गठन आयोग गठित करके पश्चिम प्रदेश के साथ अन्य राज्यों का भी देश में गठन करना चाहिए। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 25 करोड़ है और यह एक दुनिया का सबसे बड़ा राज्य है। जबकि यूनाइटेड स्टेट अमेरिका की जनसंख्या 34 करोड़ है और वहां पर 50 राज्य हैं। छोटे-छोटे राज्यों के निर्माण से ही देश की उन्नति संभव है। बैठक का संचालन करते हुए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉक्टर अशोक मलिक ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश बनवाने के लिए हम किसी भी हद तक जा सकते हैं। उत्तर प्रदेश में बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण ही है जिसके लिए बड़े संघर्ष की शुरुआत राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के नेतृत्व में कर दी गई है। बैठक को संबोधित करते हुए पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर यहां के शिक्षित युवाओं को सरकारी नौकरी मिलेगी और यहां के विकास के लिए यहां बड़े-बड़े उद्योग स्थापित किए जाएंगे। आसिम मलिक ने कहा कि पृथक राज्य निर्माण के लिए किसान, मजदूर, व्यापारी, दुकानदार, बुद्धिजीवी, युवा शक्ति और छात्र मिलकर बड़ा आंदोलन करेंगे। बैठक की अध्यक्षता सुखबीर सिंह एडवोकेट ने की। बैठक में राष्ट्रीय सलाहकार हाफिज मुर्तजा त्यागी, प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित नीरज कपिल, प्रदेश संगठन मंत्री धर्मवीर चौधरी, प्रदेश सचिव ऋषिपाल गुर्जर, मंडल उपाध्यक्ष कृपाल चौधरी, मंडल महामंत्री सरदार गुलविंदर सिंह बंटी, जिला उपाध्यक्ष वसीम जहीरपुर, जिला मंत्री मुकर्रम प्रधान, अजीत सिंह एडवोकेट, सुधीर चौधरी, महेंद्र चौधरी, अरविंद चौधरी इरशाद मुखिया, यासीन त्यागी, हाजी सुलेमान, हाजी साजिद, डॉक्टर यशपाल त्यागी, धन प्रकाश त्यागी, नैन सिंह सैनी, मांगेराम सैनी, जोगिंद्र सिंह, रविंद्र प्रधान आदि ने भाग लिया।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ धर्म जागरण विभाग द्वारा क्षैत्र की सबसे बड़ी कावड़ यात्रा निकाली

बाग बाग– राष्ट्रीय स्वयं संघ धर्म जागरण विभाग द्वारा टांडा व बाग से 63 गांव के 1350 श्रद्धालु कावड़ यात्रा में शामिल हुए। हर हर महादेव व बोल बम के जयघोष से गूंजा नगर । जिसमें हाथों कावड़ और भगवा ध्वज एवं तिरंगा लेकर लहरा रहे थे । लगातार 24 वर्षो से यह यात्रा निकलती आ रही है इस वर्ष भी 17 अगस्त को मेघनाथ घाट से नर्मदा का जल लेकर बाग के पास बड़केश्वर महादेव मंदिर जल अभिषेक कर यात्रा बाग पहुंची जहां रात्रि में विश्राम सरस्वती शिशु मंदिर में विया । सुबह नगर के महाकालेश्वर मंदिर का जल अभिषेक कर कावड़ यात्रा निकली जहां यात्रा का नगर में जगह जगह हुआ स्वागत । संघ के धर्म जागरण मंच के विभाग संयोजक ईश्वर ब्रजवासी ने बताया कि यह कावड़ यात्रा लगातर 24 वर्षो से निकाली जा रही है वनवासी क्षेत्रों में आगामी दिनों में आने वाले त्योहार गणपति उत्सव, नवरात्रि उत्सव धूमधाम से मनाने की कार्ययोजना बनाई गई ।

अलीराजपुर पुलिस ने बाग थाना क्षेत्र के 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी के 04 तुफान वाहन जप्त किये

अलीराजपुर– दिनांक 03.08.2024 को फरियादी गिरीश बघेल निवासी ग्राम लक्ष्मणी ने थाना कोतवाली अलीराजपुर में रात में, उनके घर के बाहर आंगन मे खड़ी तुफान गाडी किमती करीबन 08 लाख रुपये को कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा चुरा कर ले जाने की रिपोर्ट लेख करवाई। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पर अपराध पंजिबध्द कर विवेचना मे लिया गया। थाना कोतवाली अलीराजपुर पुलिस द्वारा विवेचना के दौरान मुखबिर सुचना के आधार पर संदेहीयान –

1. मुकेश पिता केहरु बामनिया भील उम्र 25 साल निवासी ग्राम अखाडा बुडनला फलिया थाना बाग जिला धार,
2. सालम पिता जेतरिया पवार भील उम्र 28 साल निवासी ग्राम चिकापोटी, मालपुरा फलिया थाना बाग जिला धार,
3. इकबाल पिता कलसिह बघेल भील उम्र 22 साल निवासी ग्राम चिकापोटी मालपुरा फलिया थाना बाग जिला धार को अभीरक्षा मे लेकर पुछताछ करते ग्राम लक्ष्मणी से तुफान वाहन चोरी करना कबुल किया।

उक्त आरोपियों से अन्य थाना क्षेत्र से चोरी की गयी 03 तुफान वाहन भी जप्त किये गये।

इस प्रकार उक्त आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 28 लाख रुपये किमत के 04 तुफान वाहन जप्त करने में सफलता प्राप्त हुई

सराहनीय योगदान – SDOP अलीराजपुर अश्वनी कुमार के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी अलीराजपुर शिवराम तरोले, उनि रविन्द्र प्रताप डांगी, प्रआर.118 सुनिल डुडवे व आर. 475 गंगाराम, व आर. 465 नागरसिह ।

विधायक को कृषि समिति सभापति बनाये जाने पर राष्ट्रीय मुस्लिम पसमांदा ने किया सम्मान

नीमच-- विधानसभा के लोकप्रिय विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार को मध्यप्रदेश कृषि समिति के सभापति बनने पर राष्ट्रीय मुस्लिम पसमांदा के जिलाध्यक्ष काबिल खॉन एवं उनकी पुरी टीम एवं पदाधिकारी विधायक के निवास स्थान पर पर पहूंचकर शाल, श्रीफल से सम्मान किया। इस अवसर पर महामंत्री अय्युब कुरैशी, आरीफ शेख, उपाध्यक्ष सद्दाम कुरैशी, जावेद कुरैशी, रईस भाई नियारगर, मो. शफीक कुरैशी, हुसैन भाई बाहेरा, निमीष गर्ग, रईस भाई पटवा, इस्माईल खान सहित बड़ी संख्या में राष्ट्रीय मुस्लिम पसमांदा के सदस्य उपस्थित थे।

वन अधिकार सम्बन्धी सामुदायिक दावों हेतु विशेष ग्राम सभा का आयोजन 21 अगस्त 2024 को किया जा रहा

झाबुआ – कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक 30 जुलाई 2024 द्वारा अनुसूचित जाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 के अंतर्गत वन ग्रामों में सामुदायिक वन अधिकारों का पूर्ण विनिश्चन करने के संबंध में दिशा निर्देश जारी किये गये है। वनमंडल झाबुआ अंतर्गत कोई भी वन ग्राम स्थित नहीं होने से कोई भी वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन करने की कार्यवाही नहीं की गई हैं। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत सामुदायिक वन अधिकार जैसे रास्ते का अधिकार, चरनाई का अधिकार, गौठान, धार्मिक स्थल, शमशान घाट, मडई/मेले, खेल मैदान, सामुदायिक हाट जलाशय के पानी का उपयोग का अधिकार जैसे सामुदायिक दावों हेतु कोई गांव अथवा ग्राम पंचायत छूट गये है तो सामुदायिक दावों के आवेदन प्राप्त करने हेतु विशेष ग्राम सभा आयोजन 21 अगस्त 2024 को किया जा रहा है।

नई पहल बाबा देव पहाड़ी(टेमाची) पर सामूहिक रूप से रक्षाबंधन पर्व मनाया गया

बाबा देव समिति द्वारा समाज जनों को भोजन प्रसादी भी वितरित की गई

आम्बुआ– के पास एक छोटा सा गाँव टेमाची और वहाँ निवास करने वाले आदिवासी भाईयो ने अपने कुल देवता की उपासना करते हुए नई पहल की। बाबा देव पहाडी पर भेस्टा कुवरदेव स्थान पर बाबा देव समिति द्वारा सामूहिक रूप से रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। साथ ही गांव के आसपास के समाज जनों को एकत्रित कर भोजन के रूप में प्रसादी भी वितरित की गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बाबा देव समिति के अध्यक्ष मंगल सिंह कनेश,सचिव बापू सिंह, कोषाध्यक्ष दिनेश कनेश, गांव के पुजारा श्री मदन सिंह अजनार एवं साध्वी दीदी बुरी अजनार तथा समिति के समस्त सदस्यों द्वारा सराहनीय योगदान रहा। कोषाध्यक्ष दिनेश कनेश ने बताया कि समिति का उद्देश्य हिंदू परंपरा को आगे बढ़ाना है। हमारे क्षेत्र में बहुत से गरीब लोग हैं जो पैसों के अभाव की वजह से पारंपरिक रूप से हिंदू त्यौहार नहीं मना पाते जिससे वे संस्कृति से पिछड़ते जा रहे है। हमारी समिति का उद्देश्य एक साथ एक छत के नीचे रक्षाबंधन पर्व मनाना था जिससे बड़े- छोटे का भेद न रहे। हमारे इस कार्यक्रम में सिर्फ हमारे गांव के ही नहीं आसपास के गांव के समाज जन भी मौजूद रहे प्रेम भाव से त्योहार मना कर सभी ने प्रसादी भी ग्रहण की। हमारा यही प्रयास रहेगा हर हिंदू त्योहार हम मिलकर इसी उत्साह के साथ मनाएं ।

वध हेतु गौवंश की तस्करी करने वाले आरोपी को 01 वर्ष का कारावास

नीमच – अंकित जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नीमच के द्वारा कंटेनर में वध किये जाने हेतु गौवंश की तस्करी करने वाले आरोपी नारू पिता मोहम्मद हुसैन, आयु-40 वर्ष, निवासी-ग्राम बोतलगंज, जिला-मन्दसौर (म.प्र.) को धारा 4/9 मध्यप्रदेश गौवंश प्रतिषेध अधिनियम, 2004 के अंतर्गत 01 वर्ष के सश्रम कारावास व 5000रू. अर्थदण्ड, धारा 6/9 मध्यप्रदेश गौवंश प्रतिषेध अधिनियम, 2004 के अंतर्गत 06 माह के सश्रम कारावास व 5000रू. अर्थदण्ड एवं धारा 11डी पशु क्रुरता निवारण अधिनियम, 1960 के अंतर्गत 50रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाली एडीपीओं श्रीमती कीर्ति शर्मा द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 08 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 28.10.2016 को दिन के 03:50 बजे मन्दसौर-नीमच फोरलेन स्थित ग्राम चल्दु के समीप स्थित पुलिया की हैं। पुलिस थाना जीरन में पदस्थ एसआई जोरसिंह डामोर को मुखबीर सूचना प्राप्त हुई कि एक कंटेनर जिसमें कि वध हेतु गौवंश ले जाये जा रहे हैं वह नयांगाव से चल्दु होता हुवा मन्दसौर की तरफ ले जाया जा रहा हैं। मुखबीर सूचना पर से कार्यवाही करते हुवे एसआई जोरसिंह डामोर द्वारा मय फौर्स चल्दु पुलिया के समीप पँहुचे, जहाँ उन्हे मुखबीर द्वारा बताया हुवा कंटेनर आता हुवा दिखाई दिया, जिसको रोककर कंटेनर को खोलकर देखा तो उसमें 37 जीवित अवस्था तथा 3 मृत अवस्था में गौवंश/केड़े बंद मिले थे। सभी गौवंश को कंटेनर में ठूंस-ठूंस कर बंद कर रखा था व भोजन-पानी-हवा की कोई व्यवस्था नहीं थी। कंटेनर को रोके जाने की कार्यवाही के दौरान आरोपी नारू हुसैन का साथी अकबर पिता मंजूर, आयु-36वर्ष, निवासी-ग्राम बोतलगंज, जिला-मन्दसौर (म.प्र.) मौके से फरार होने में सफल हो गया। आरोपी नारू हुसैन के पास गौवंश परिवहन के कोई वैध दस्तावेज नहीं थे तथा उसके द्वारा पुछताछ में बतया गया कि वह सभी गौवंश को वध हेतु धुलिया (महाराष्ट्र) ले जा रहा था। पुलिस द्वारा सभी गौवंश व कंटेनर को जप्त कर व आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध पुलिस थाना जीरन में प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई तथा आवश्यक विवेचना के उपरांत अभियोग-पत्र नीमच न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। आरोपी अकबर के फरार रहने से उसकी गिरफ्तारी हो जाने के पश्चात् उसके संबंध में आवश्यक विवेचना उपरांत विचारण होगा। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में पुलिस फोर्स, पंचसाक्षी, विवेचक सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को प्रमाणित कराते हुवे आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्रीमती कीर्ति शर्मा, एडीपीओ द्वारा की गई।

आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने कल किया भारत बंद का ऐलान

ग्वालियर। एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने कल 21 अगस्त को भारत बंद का ऐलान किया है। भारत बंद का समर्थन कई दलित संगठनों ने भी किया है। इसके अलावा बसपा ने भी भारत बंद का समर्थन किया है। किसी भी तनाव से बचने के लिए पुलिस को तैनाती बढ़ाने के लिए कहा गया है। ग्वालियर जिला प्रशासन की बैठक में भी सुरक्षा प्रबन्धों पर चर्चा हो चुकी है, हालांकि ग्वालियर में किसी बड़े दलित संगठन ने अभी बंद का समर्थन नही किया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार कों एससी/एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर बनाने की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि जिन्हें वास्तव में इसकी आवश्यकता है उन्हें आरक्षण में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इस फैसले पर व्यापक बहस छिड़ गई है। भारत बंद का ऐलान करने वाले संगठन इसे फैसले को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। बंद के दौरान हिंसा की आशंका को देखते हुए पुलिस के आला अधिकारियों ने सभी संभागीय आयुक्त, जिला मजिस्ट्रेट और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के लिए जरुरी दिशा-निर्देश जारी किया है। भारत बंद के दौरान क्या बंद रहेगा भारत बंद के दौरान क्या खुलेगा रहेगा और क्या बंद रहेगा इसको लेकर कोई आधिकारिक ऐलान अभी तक नहीं किया गया है। हालांकि ऐसी आशंका है कि भारत बंद के दौरान परिवहन सेवाओं पर इसका असर पड़ सकता है।

ये सेवाएं जारी रहेंगी भारत बंद के दौरान अस्पताल और एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाएं चालू रहेंगी। बैंक दफ्तर और सरकारी कार्यालय बंद रखने संबंधी अभी तक कोई आदेश सरकार की तरफ से नहीं आया है। इसलिए माना जा रहा है कि बुधवार को बैंक और सरकारी दफ्तर खुले रहेंगे।

थाना स्टेशन रोड पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ एमडी के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

12 ग्राम एमडी एवम अपाचे मोटरसाइकिल जप्त

घटना का संक्षिप्त विवरण –थाना स्टेशन रोड पुलिस को दिनांक- 18 /08/ 2024 को मुखबीर सूचना प्राप्त हुई की दो व्यक्ति अपाचे मोटरसाइकिल से एमडी ड्रग्स किसी व्यक्ति को सप्लाई करने के लिए मंदसौर से रतलाम डी मार्ट रोड पर आने वाले हैं सूचना विश्वसनीय होने पर पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल कुमार लोढा के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अभिनव बारंगे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी स्टेशन रोड दिनेश भोजक के द्वारा एक टीम का गठन कर करवाई करते हुए डी मार्ट रोड पर नाकाबंदी कर मुखबिर के बताए हुलिए के दो व्यक्ति आते दिखे जिनको नाकेबंदी पर पीछे बैठा व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर बरसाती झाड़ियां में छुपाते हुए भाग गया। मोटरसाइकिल चालक का मौके पर विधिवत चेक करते उसकी पेंट की जेब में 12 ग्राम एमडी (मादक पदार्थ) मिला। उक्त व्यक्ति का नाम पता पूछते उसने अपना नाम शाहरुख पिता अजीज खा उम्र 28 साल निवासी मदारपुरा मंदसौर थाना सिटी कोतवाली का होना बताया भागने वाले साथी का नाम पूछने पर उसका नाम रफीक उर्फ भयु निवासी मंदसौर का बताया दोनों के विरुद्ध अपराध पंजीकृत किया गया एक मोटरसाइकिल अपाचे एवं 12 ग्राम एमडी जप्त की गई। गिरफ्तार आरोपी का नाम एवं पता – 1.शाहरुख पिता अजीज खा उम्र 28 साल निवासी मदारपुरा मंदसौर थाना सिटी कोतवाली मंदसौर। फरार आरोपी – 1.रफीक उर्फ भयु निवासी मदारपुरा मंदसौर जप्त मशरूका – 12 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी, मोटर साइकिल अपाचे सराहनीय भुमिका- उप निरीक्षक कुलदीप देथलिया उप निरीक्षक प्रेम सिंह हटीला आरक्षक 1062 अभिषेक पाठक आरक्षक 812 लोकेंद्र सोनी हर्षल शर्मा , आर.अभिषेक जोशी थाना स्टेशन रोड

वृक्ष है हमारी सांसें, ओर फेफड़ा, वृक्ष है हमारी खुशियां और जीवन

रक्षा बंधन पर पर्यावरण मित्रों ने पेड़ पौधों को रक्षा सुत्र बांधकर लिया पर्यावरण बचाओ का संकल्प

नीमच/वृक्ष हम सभी के लिए शुद्ध प्राणवायु देते हैं, प्राणी जगत के जीवन का एक मात्र विकल्प वृक्ष ही है, वृक्षों से ही जल और हमारा कल है, वृक्ष हमारी सांसें है और फेफड़ा है, वृक्ष हमारी खुशियां है वृक्ष प्राणी जगत का जीवनदाता है जो इस धरा का गहना है इनकी सुरक्षा करना एवं चहुं ओर हरियाली की चादर बिछा कर प्रकृति को संवारना हम सभी का दायित्व है का संदेश देते हुए संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था के अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने बताया कि वृक्ष है तो जीवन है वृक्ष के बिना जीवन संभव नहीं है इसी उद्देश्य को लेकर हरियाली के पावन पर्व श्रावणी पूर्णिमा रक्षा बंधन के अवसर पर पर्यावरण मित्रों ने ग्रीन बेल्ट पार्ट एक स्मृति वन में रोपित पेड़ पौधों की सुरक्षा हेतु पेड़ पौधों की पुजा अर्चना कर रक्षा सुत्र बांधे, इस अवसर पर संस्था सचिव डॉ राकेश वर्मा ने बताया कि एक छोटा सा पोधा पेड़ बनकर हमें जीवन भर मुफ्त की वायु आक्सीजन देता है, इनकी सुरक्षा करना हम सभी का दायित्व है, इस अवसर पर संस्था संरक्षक इंजि. नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि भावी पीढ़ी के अस्तित्व को क़ायम रखने हेतु वृक्षारोपण वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महती आवश्यकता है, वृक्ष के आभाव में हम भविष्य नहीं देख सकते हैं, रक्षा बंधन पर जहां बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधकर अपने लिए सुरक्षा तों भाई के लिए खुशहाली की कामना करती है वैसे ही आज हम सभी वृक्षों को रक्षा सुत्र बांधकर वृक्ष की रक्षा का संकल्प लेते हुए आगे आने वाली पीढ़ी के सुरक्षित जीवन की कामना करते हैं, सोमवार दिनांक 19 अगस्त 2024 रक्षा बंधन के पावन पर्व पर पर्यावरण प्रेमी नन्ही बालिका अन्वेंशा अग्रवाल एवं साक्षी अहीर ने पीपल वृक्ष की पुजा अर्चना कर गांधी नगर स्थित ग्रीन बेल्ट स्मृति वन में विभिन्न प्रजातियों के फलदार छायादार फुलदार ओषधि युक्त पेड़ पौधों को संस्था पदाधिकारी ,पर्यावरण मित्र नवीन कुमार अग्रवाल,किशोर बागड़ी, डॉ राकेश वर्मा, रमेश मोरे, राजकुमार सिन्हा, दुलीचंद कनेरिया, आदि ने मिलकर रक्षा सुत्र बांधकर पेड़ पौधों की रक्षा का संकल्प लिया, उक्त जानकारी संस्था उपाध्यक्ष राजकुमार सिन्हा ने दी है

बागेश्वर धाम जा रहे दर्शनार्थियों की टैक्सी ट्रक से टकराई, 7 की मौत, कई घायल

छतरपुर मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में बागेश्वर धाम दर्शन करने जा रहे दर्शनार्थियों से भरी टैक्सी और ट्रक में जोरदार भिड़ंत हुई। जहां इस भीषण सड़क हादसे में 5 की मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं 6 गंभीर घायल हैं घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया गया है। जहां 2 घायलों ने दम तोड़ दिया जिससे अब तक 7 की मौत हो चुकी है। घायलों और मृतकों में बच्चे और बूढ़े सभी शामिल हैं। वहीं मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक घटना ह॥ 39 की तड़के सुबह 5 बजे कदारी के पास की बताई जा रही है। जहां छतरपुर रेलवे स्टेशन से सवारी लेकर बागेश्वर धाम जा रही टैक्सी क्रमांक और ट्रक में जोरदार भिड़ंत हो गई। सवारी पासिंग से 4 गुना ज्यादा लोड थी और बताया जा रहा है कि टैक्सी वाले ने ही ट्रक में पीछे से टक्कर मारी है। वहीं संभावना यह भी जताई जा रही है कि ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने से ट्रक के पीछे बराबर से चल रही टैक्सी पीछे से टकरा गई और यह भीषण हादसा हो गया। वहीं घटना और मामले की जानकारी लगाने पर थाना पुलिस मौके पर पहुँचकर मामले की जांच और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई है।

कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए

कलेक्टर द्वारा त्वरित निराकरण करते हुए बच्चों का प्रवेश हॉस्टल में कराये जाने के निर्देश दिए

झाबुआ – कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मंगलवार को प्रात: 11 बजे जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई ली गई। आवेदक रेखा भाबोर पति स्व. बहादुर भाबोर निवासी ग्राम पंचायत सजवानी तहसील झाबुआ द्वारा बताया गया कि उनके पति वाहन दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी उनके चार बच्चे है, स्वयं माता पिता पर आश्रित होने के कारण बच्चों की शिक्षा एवं कल्याणी पेंशन हेतु आवेदन दिया गया जिसमे कलेक्टर द्वारा त्वरित निराकरण करते हुए बच्चों का प्रवेश हॉस्टल में कराये जाने के निर्देश दिए साथ ही आवश्यक दस्तावेज बनाये जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आवेदक तेरू पिता मोगजी अईडिया निवासी ग्राम बडी भैसाकराई तहसील रामा जिला झाबुआ द्वारा बताया गया कि शासकिय काबिल कास्त स्थित है तथा लगभग 80-90 वर्षों से पूर्व से उक्त काबिल कास्त पर काबिज हो कर खेती मजदूरी कर अपना व परिवार का भरण पोषण करते आ रहे है उक्त काबिल कास्त का पट्टा प्रदान किये जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदक समस्त ग्रामवासी ग्राम गोपालपुरा द्वारा बताया गया कि गांव में करीब 02 महिनो से लक्ष्मी महिला बचत समूह के द्वारा स्कूलो में मध्याह्न भोजन का कार्य किया जा रहा है लेकिन समूह के उक्त कार्य में भारी अनियमितता है, लक्ष्मी बचत स्वयं सहायता समूह ग्राम

गोपालपुरा द्वारा मध्याह्न भोजन में अनियमितता के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदक नरवेसिंह पिता दुबलिया डामोर निवासी ग्राम लिमखोदरा द्वारा बताया गया कि विपक्षी अमरसिंह पिता वेलसिंह डामोर एवं रतना पिता वेलसिंग डामोर निवासी ग्राम सजवानी छोटी थाना रानापुर द्वारा आवेदक के साथ गाली गलोच करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदक केरू पिता नरसिह डामोर निवासी आमलीपाडा तहसील रामा द्वारा बताया गया कि प्रधान मंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान स्वीकृत कर प्रदान करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदक समस्त ग्राम पंचायत काकरादरा बड़ा, जनपद पंचायत रानापुर द्वारा बताया गया कि कचरा वाहन संचालन एवं नल-जल योजना के क्रियान्वयन में गभीर अनियतमिता के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। इस प्रकार जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 43 आवेदन आए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री सत्यनारायण दर्रो एवं समस्त विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अजमेर रैप केस 1992 अजमेर के 6 रईसजादों को उम्रकैद की सजा, 32 साल पहले 100 लड़कियों के साथ की थी गंदी करतूत

जयपुर देश के सबसे बड़े और चर्चित सेक्स स्कैंडल और अजमेर के ब्लैकमेल कांड में आखिकार फैसला आ गया है. अजमेर की विशेष न्यायालय पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 ने इस मामले में बचे हुए 7 में से 6 आरोपियों (नफीस चिश्ती, नसीम उर्फ टार्जन, सलीम चिश्ती, इकबाल भाटी, सोहिल गणी, सैयद जमीर हुसैन) को जिला अदालत ने उम्रकैद की सजा सुना दी है. वहीं इसके साथ ही उन पर 5-5 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है. कोर्ट ने अपने फैसले में नफीस चिश्ती, नसीम उर्फ टार्जन, सलीम चिश्ती, इकबाल भाटी, सोहिल गणी, सैयद जमीर हुसैन को उम्रकैद की सजा सुनाई है. वहीं सजा सुनाचे समय सभी 6 आरोपी कोर्ट में मौजूद थे.इससे पहले मंगलवार को ही कोर्ट ने इन 6 आरोपियों को दोषी माना था. दरअसल इन 6 आरोपियों के खिलाफ मामले में चार्जशीट 23 जून 2001 को पेश की गई थी जिसके बाद ट्रायल कोर्ट में सुनवाई जुलाई 2024 में पूरी हुई थी. मालूम हो कि 1992 में 100 से ज्यादा कॉलेज गर्ल्स के साथ गैंगरेप और उनकी न्यूड फोटो वायरल होने के बाद पूरे प्रदेश और देश में हड़कंप मच गया था. इस पूरे मामले में पुलिस ने 18 आरोपी बनाए थे जिनमें से 9 को सजा सुनाई जा चुकी है और एक ने सुसाइड कर लिया. वहीं एक अभी तक फरार है जिसे कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर दिया है.

अजमेर यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष था मास्टरमाइंड बता दें कि इस स्कैंडल का मास्टरमाइंड अजमेर यूथ कांग्रेस का तत्कालीन अध्यक्ष फारुक चिश्ती था जहां चिश्ती ने बिजनेसमैन के बेटे से दोस्ती कर उसके साथ कुकर्म किया और उसकी कई तस्वीरें कैमरे में कैद कर लीं. वहीं इसके बाद शुरू हुआ ब्लैकमेल का गंदा खेल और पीड़ित लड़के को उसकी गर्लफ्रेंड के साथ चिश्ती ने अपने पॉल्ट्री फार्म पर बुलाया और वहं रेप किया. इसके बाद उस लड़की को ब्लैकमेल कर कई लड़कियों को फार्म पर बुलाया जाता रहा और रेप को अंजाम दिया जाता था. वहीं आरोपियों ने इस मामले में घिनौनेपन की सारी सीमाएं पार कर दी जहां सभी लड़कियों की फोटो की रील प्रिंटआउट के लिए एक कलर लैब में भेज दी. वहीं लड़कियों की फोटो मिलने के बाद लैब में काम करने वाले कर्मचारियों ने ये फोटो वायरल कर दिए जिसके बाद 6 लड़कियों ने सुसाइड भी किया था.

6 लड़कियों ने किया था सुसाइडबता दें कि इस मामले में जिस फोटो लैब से लड़कियों की न्यूड फोटो बाजार में आई थी उसके बाद कॉलेज की 6 लड़कियों ने सुसाइड कर लिया था. वहीं घटना के बाद परेशान होकर कुछ छात्राओं ने हिम्मत दिखाई और वो पुलिस के पास पहुंची. इस केस की परतें खुलते ही इसमें मास्टरमाइंड अजमेर यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष फारूक चिश्ती, नफीस चिश्ती और अनवर चिश्ती के नाम सामने आए थे और उस समय की तत्कालीन भैंरोसिंह शेखावत सरकार ने जांच CID-CB को सौंप दी थी.

6 लड़कियों ने किया था सुसाइड बता दें कि इस मामले में जिस फोटो लैब से लड़कियों की न्यूड फोटो बाजार में आई थी उसके बाद कॉलेज की 6 लड़कियों ने सुसाइड कर लिया था. वहीं घटना के बाद परेशान होकर कुछ छात्राओं ने हिम्मत दिखाई और वो पुलिस के पास पहुंची. इस केस की परतें खुलते ही इसमें मास्टरमाइंड अजमेर यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष फारूक चिश्ती, नफीस चिश्ती और अनवर चिश्ती के नाम सामने आए थे और उस समय की तत्कालीन भैंरोसिंह शेखावत सरकार ने जांच CID-CB को सौंप दी थी. गौरतलब है कि इस पूरे केस में कुल 18 लोग आरोपी बनाए गए थे जिसमें 9 को पहले ही सज़ा मिल चुकी है वहीं एक आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी. इसके अलावा एक अन्य आरोपी पर एक बिजनेसमैन के बेटे से कुकर्म के आरोप में अलग से केस चल रहा है और एक आरोपी को कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर रखा है. वहीं बाकी बचे 6 आरोपियों की ट्रायल पूरी होने के बाद कोर्ट ने आज फैसला सुनाया है.

विश्व फोटोग्राफी दिवस पर पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया गया

झारड़ा – विश्व फोटोग्राफी दिवस पर महिदपुर नगर में पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया गया आयोजक समाजसेवी विजय सिंह गौतम द्वारा कहां गया कि पत्रकार लोकतंत्र का मजबूत आधार स्तंभ होता है इनके बिना लोकतंत्र की मजबूती हो ही नहीं सकती इसके पूर्व समस्त पत्रकारों का साफा बांधकर शाल श्री फल माला पहनाकर भगवान नागचंद्रेश्वर की तस्वीर, आदि भेटकर सम्मान किया गया, नगर के इतिहास में पहली बार केवल पत्रकारों के सम्मान के लिए मंच बनाकर सम्मान समारोह आयोजित किया गया, इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकारों द्वारा भी कहा गया कि इस दौर में जहां पत्रकारों की उपेक्षा हो रही है वहां आपके द्वारा पत्रकारों को भावपूर्ण सम्मान दिया गया, इसके लिए हम आपके इस कार्य की सराहना करते हैं इस अवसर पर महिदपुर

एवं झारड़ा तहसील के पत्रकार साथी उपस्थित थे

भुगतान में लेटलतीफी से मोक्षधाम के इलेक्ट्रिक शवदाह गृह की गति धीमी

छिंदवाड़ा-पातालेश्वर मोक्षधाम में इलेक्ट्रिक शव दाह गृह का निर्माण भुगतान की लेटलतीफी से पूरा नहीं हो पा रहा है। अभी चिमनी समेत अन्य निर्माण कार्य धीमी गति से हो पा रहे हैं। आगे गुजरात से मशीन समेत अन्य उपकरण आना शेष है। उसके बाद ही शव को सीधे मशीन पर रखकर अंतिम संस्कार की सुविधा मिलेगी। निगम की जानकारी के मुताबिक इस इलेक्ट्रिक शवदाह गृह की लागत 77.52 लाख रुपए है। नगर निगम ने अपनी मद से ही इस इलेक्ट्रिक शवदाह गृह का निर्माण 75 प्रतिशत तक पूरा कर लिया है। गुजरात की एक कंपनी को इसकी मशीन एवं उपकरण के लिए ऑर्डर भी कर दिया गया है। आगे भुगतान की समस्या जा रही है। अभी तक केवल 8 लाख रुपए हो पाया है। अधिकांश कामकाज उधारी पर होने से निर्माण एजेंसी रुचि नहीं ले रही है। वर्तमान में चिमनी का निर्माण हो रहा है। वह भी धीमी गति से किया जा रहा है। निगम में मोक्षधाम संबंधित मामलों के इंजीनियर रितेश उइके का कहना है कि इस इलेक्ट्रिक शव दाह गृह का निर्माण में वर्तमान में चिमनी का निर्माण हो रहा है। अभी तक संबंधित कंपनी को आठ लाख रुपए मिल पाए हैं। जैसे ही भुगतान की समस्या का समाधान होगा, निर्माण कार्य तेजी से पूरा होगा। मोक्षधाम शेड का निर्माण टेंडर से लटका पातालेश्वर मोक्षधाम के एक शेड की छत का स्लैब दोबारा नहीं बन सका है। नगर निगम की ओर से इसका टेंडर लगाया गया था। इस पर किसी ठेकेदार ने रुचि नहीं ली। इसके चलते इसका निर्माण अटका हुआ है। निगम इंजीनियर की मानें तो इस कंसट्रक्शन के लिए दोबारा टेंडर लगाने के प्रयास हो रहे हैं। दो माह पहले इसकी छत गिर गई थी। तब से यहां दाह संस्कार नहीं हो पा रहा है।

कानवन पुलिस ने लूट की योजना बनाते हुए गिरोह को किया गिरफ्तार

बदनावर। कानवन थाना क्षेत्र में पुलिस ने पेट्रोल पंप लूटने की योजना बना रहे बांसवाड़ा के गिरोह को पुलिस ने किया गिरफ्तार। पकड़े गए बदमाशों ने अन्य चोरी भी कबूली है। मुखबिर की सूचना मिली थी कि यहां कुछ लोग लेबड़ नयागांव फोरलेन पर ग्राम खजुरिया में पेट्रोल पंप लूटने की योजना बना रहे हैं। सूचना पर एसडीओपी शेरसिंह भूरिया के मार्गदर्शन में तत्काल सब इंस्पेक्टर केके चौहान, वायएस योगी, अरुण मिश्रा, अजय वर्मा, सहायक उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह ठाकुर, भेरूसिंह देवड़ा, प्रधान आरक्षक रामेन्द्रसिंह, कुलदीप यादव, भारत, नंदकिशोर मारू, आरक्षक दिनेश ओहरी,संजय शिवहरे, रितेश मेडा, नितिन, सायबर सेल के आरक्षक प्रशांत चौहान व सैनिक मोहनलाल मारू को शामिल कर बदमाशों को पकड़ने में टीम लगाई गई।देशी कट्टा और कारतूस भी बरामद टीआई राठौर ने बताया कि पुलिस टीम ने पेट्रोल पंप डकैती की योजना बना रहे 5 आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 1 देशी कट्टा और जिंदा कारतूस, लाठी डंडा, टॉमी तथा डकैती में उपयोग करने के लिए लाए तूफान गाड़ी त्नछ्व-18-ङ्ग-1965 आदि भी जब्त किए गए। पकड़े गए बदमाशों से अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की तो बदमाशों ने 13 अगस्त को ग्राम मनासा में पवन चक्की संयंत्र से केबल वायर, प्लेट और घटना में उपयोग की गई बोलेरो ऋछ्व-03-ञ्ज-5968 भी जब्त की। इसके अलावा बदमाशों ने मनासा में अन्य चोरी का प्रयास करना व पवन चक्की के चौकीदार के साथ मारपीट की घटना करना भी कबूल किया। पकड़े गए आरोपियों के नाम बंशीलाल पिता प्रभुलाल डोडियार 32 निवासी ग्राम जुपेल थाना सदर जिला बांसवाड़ा राजस्थान, मनोज पिता प्रभु मईडा 20 निवासी ग्राम डूंगरा खानपुर थाना दानपुर जिला बांसवाड़ा राजस्थान, विकास पिता रामलाल खराड़ी 23 निवासी कालाखेत थाना दानपुर जिला बांसवाड़ा राजस्थान, भूरा पिता प्रभु खराडी 25 निवासी ग्राम जिकली थाना बाजना जिला रतलाम और कालूराम पिता मोतिलाल चरपोटा 22 निवासी कुंडलीपाडा थाना दानपुर जिला बांसवाड़ा राजस्थान को गिरफ्तार किया गया

नगर परिषद अध्यक्ष सैठिया कि गरिमामयी उपस्थिति में खड़ावदा रोड पर वृक्षारोपण

गरोठ-- गरोठ नगर परिषद अध्यक्ष राजेश सैठिया कि गरिमामयी उपस्थिति मेंश्रीराम युवा सेना द्वारा रक्षाबंधन के पावन त्यौहार के उपलक्ष्य पर खड़ावदा रोड गरोठ पर एक पौधा बहनों के नाम से लगाया गया। इस अवसर पर श्रीराम युवा सेना के पदाधिकारी प्रदेश महामंत्री हरीश जोशी, जिला उपाध्यक्ष दीपक पाटीदार गरोठ, नगर अध्यक्ष महेश विश्वकर्मा , अनिल पांडे, नरेश व्यास, राहुल पटेल (माइकल) , हेमंत सांखला, त्रिलोक पांडे, संदीप पोरवाल उपस्थित रहे।

असाडा राजपूत समाज का आयोजन गणगौर माता को बिदाई दी

माताारानी की भक्ति में थिरके भक्तगण विशेष उत्साह नगर के प्रमुख मार्गो से भव्य चल समारोह निकला

अलीराजपुर-- स्थानीय असाडा राजपूत समाज द्वारा मंगलवार को गणगौर माता का विर्सजन श्रद्धा और आस्था के साथ धूमधाम से किया गया। श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर एवं श्री अम्बे माता मंदिर असाडपुरा में क्रमश: 28 व 20 कुल विराजित 48 गणगौर माता की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। उसके बाद सुक्कड़ नदी में जवारों का विर्सजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में समाज के सभी लोगों ने चल समारोह में भाग लेकर शोभा बढ़ाई, समाज के अध्यक्ष रिंकेश सिंह तंवर, मीडिया संयोजक उमेश वर्मा कछवाहा, आशीष सिंह वाघेला ने बताया गया कि असाडा राजपूत समाज द्वारा सामाजिक एकता, अखंडता का परिचायक रहता हैं धार्मिक गणगौर पर्व। यह पर्व श्रावण मास की शीतला सप्तमी से पूर्णिमा तक प्रतिदिन सुबह व शाम को पूजा अर्चना कर मनाया जाता है। इस पर्व में मध्यप्रदेश के अलावा विदेश से तथा गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, आदि प्रान्तों से भी समाजजन, श्रद्धालु भाग लेने के लिए आते है। पूर्णिमा को रतजगा कर गरबे, भजनों पर भक्तगण आंनद लेते है व अगले दिन गरबा नृत्य व माताजी के भजनों के साथ जवारों का विर्सजन किया जाता है। रियासत काल के समय से माता की स्थापना करने की परम्परा प्रचलित है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार किसी भी

कार्य में बाधा आने पर मनौती ली जाती है एवं जिसके पूर्ण होने पर मन्नतधारियों द्वारा लगातार दो वर्ष तक माताजी की स्थापना की जाती है एवं कुछ भक्तों द्वारा अनवरत परम्परा अनुसार माताजी की स्थापना होने से उनके द्वारा प्रतिवर्ष स्थापना की जाती है विर्सजन के पहले माता को सभी स्थानकों व भक्तों के निवास मोहल्ले ले जाकर विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

सर्वप्रथम श्री अम्बे माता मंदिर असाड़पुरा में विराजित 20 गणगौर माता की विधि विधान से पूजा-अर्चना माताजी के मोहल्ले में 11 बजे से प्रारंभ होकर असाडपुरा के विभिन्न मार्गों से चल समारोह प्रारंभ हुआ। जो जिन भक्तों द्वारा माताजी की स्थापित किये गये थे। उनके निवास मोहल्ले पर माताजी के डोल व जवारे की आरती उतारी व प्रसादी वितरित की गई। उसके पश्चात दोपहर 2 बजे श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर में विराजित 28 गणगौर माता की विधि विधान से पूजा-अर्चना की गई व चल समारोह प्रारंभ होकर जिन श्रद्धालुओं द्वारा माताजी की स्थापित किये गये थे। उनके निवास पर भी पूजा-अर्चना की गई। दोनों मंदिर से प्रारंभ चल समारोह शिवाजी मार्ग पर एकत्रित हुए। यहाँ पर सभी ने बारी बारी से महाआरती व प्रसादी वितरित की।

सैकड़ो समाजजन के गुंजायमान नारों के शाम लगभग 4 बजे एक साथ गणगौर माता जी के जवारे के लिए नगर के प्रमुख मार्गो विर्सजन जुलूस निकला। समाज की अनेक युवतियाँ व महिलाऐं आकर्षक परिधानो से सजी थी, जो माताजी को सिर पर लिए चल रही थी। श्रद्धालुजन गरबों पर नृत्य कर चल रहे थे एवं भक्तगण चवर ढुला रहे थे। चल समारोह एमजी रोड से होकर राजवाडा प्रांगण पहुंचा। यहाँ कुछ देर के लिए माताजी को विश्राम दिया गया जहाँ रियासत काल में राजा द्वारा पूजा अर्चना की जाती थी। उसी परम्परा का निर्वाह करते हुए आरती अर्चना की गई, इसके बाद चल समरोह राजराजेश्वर शनि मंदिर पर माताजी को विश्राम व अर्चना, महाआरती प्रसादी पश्चात सुक्कड नदी में जवारों का विर्सजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में समाजजनों ने सहभागिता की, और धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर परम आनंद की अनुभूति व्यक्त की । महोत्सव को सफल बनाने में असाड़ा राजपूत समाज के युवाओं, महिलाओं और पुरुषों सहित सहित सभी समाजजनों का भी सराहनीय सहयोग रहा। समाज की ओर से पदाधिकारियों मंदिर समिति अध्यक्ष अश्विन सिंह पंवार एवं राजेन्द्र लाला भाटी ने कार्यक्रम में सहभागिता हेतु सभी का आभार माना ।

पद के लिए किया आवेदन

इमरान खान बनना चाहते हैं ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो पिछले एक साल से जेल में बंद हैं, ने ब्रिटेन की प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में चांसलर बनने के लिए आवेदन किया है। इमरान खान के सलाहकार, सैयद जुल्फिकार बुखारी ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर दी। बुखारी ने बताया कि इमरान खान ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर चुनाव 2024 के लिए आवेदन फॉर्म जमा कर दिया है। यह चुनाव 28 अक्टूबर को होना है और ऑक्सफोर्ड के 800 साल के इतिहास में पहली बार इस पद के लिए ऑनलाइन मतदान होगा। बुखारी ने अपने बयान में कहा, अगर इमरान खान चांसलर बनते हैं, तो वह एशियाई मूल के पहले व्यक्ति होंगे। यह न केवल पाकिस्तान के लिए बल्कि पूरे एशिया और बाकी दुनिया के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि होगी। इमरान खान को पिछले साल अगस्त में कई आरोपों में जेल में डाल दिया गया था, जिनमें भ्रष्टाचार और हिंसा भड़काने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

अभी तक अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की इन आरोपों के चलते वे अब तक जेल में बंद हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने ऑक्सफोर्ड

यूनिवर्सिटी के चांसलर पद के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इमरान खान खुद ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के छात्र रह चुके हैं। उन्होंने 1972 में ऑक्सफोर्ड के केबल कॉलेज से इकोनॉमिक्स में डिग्री हासिल की थी। इसके अलावा, इमरान 2005 से 2014 तक ब्रैडफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर के रूप में भी कार्यरत रह चुके हैं, जहां उनके नेतृत्व को काफी सराहा गया था। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर के पद के लिए आवेदन की प्रक्रिया 18 अगस्त को समाप्त हो गई। हालांकि, विश्वविद्यालय ने अभी तक अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की है, लेकिन कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, इस चुनाव में इमरान खान के अलावा ब्रिटेन के तीन पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, थेरेसा मे, और बोरिस जॉनसन भी मैदान में हो सकते हैं। इसके अलावा, कुछ महिलाओं ने भी इस पद के लिए आवेदन किया है, और अगर वे चुनी जाती हैं, तो वे ऑक्सफोर्ड की पहली महिला चांसलर होंगी।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर पद का महत्व ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर का पद अत्यंत प्रतिष्ठित होता है। वर्तमान चांसलर, लॉर्ड क्रिस पैटन, जिन्होंने फरवरी 2003 में यह पद संभाला था, ने इस साल फरवरी में अपने इस्तीफे का ऐलान किया था। 80 साल के पैटन 21 साल तक इस पद पर रहे और उन्होंने हांगकांग के अंतिम ब्रिटिश गवर्नर के रूप में भी कार्य किया था। पैटन ऑक्सफोर्ड के 1224 के बाद से 159वें चांसलर थे, और वे इस पद पर रहते हुए न मरने वाले पहले चांसलर बने।ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर के चुनाव में 2.5 लाख से ज्यादा मौजूदा और पूर्व छात्र वोट करेंगे। इस पद के लिए चुने जाने वाले उम्मीदवार को 10 साल का कार्यकाल मिलेगा।

हालांकि, ब्रिटेन के तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों और अन्य प्रमुख दावेदारों की मौजूदगी को देखते हुए, टेलीग्राम की रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान के जीतने की संभावना कम मानी जा रही है।

पाकिस्तान में चल रहे कानूनी विवाद इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ पाकिस्तान में भी कानूनी मुश्किलें जारी हैं। हाल ही में, उन्हें तोशाखाना से जुड़े एक नए मामले में गिरफ्तार किया गया। नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो की टीम ने इस्लामाबाद की अडियाला जेल में जाकर उन्हें गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी तब हुई जब इमरान खान और उनकी पत्नी को फर्जी निकाह के मामले में इस्लामाबाद कोर्ट से बरी किया गया था। इमरान खान की यह गिरफ्तारी उनके पहले से ही जटिल कानूनी स्थिति को और भी पेचीदा बना रही है। इसके बावजूद, उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के चांसलर पद के लिए आवेदन किया है, जो उनके आत्मविश्वास और साहस का प्रतीक है। इस चुनाव में उनकी जीत या हार, न केवल उनके भविष्य को, बल्कि पाकिस्तान और ब्रिटेन के संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है।

17 साल बाद हटेगी खालिदा जिया के बैंक खातों पर लगी रोक

ढाका। बांग्लादेश में कर अधिकारियों ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष खालिदा जिया के बैंक खातों पर 17 साल पहले रोक लगायी गयी रोक को हटाने का फैसला किया है। %डेली स्टार% समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (एनबीआर) ने सोमवार को बैंकों को बीएनपी अध्यक्ष जिया के खातों पर लगी रोक हटाने का निर्देश दिया। अगस्त 2007 में एनबीआर के केंद्रीय खुफिया प्रकोष्ठ ने बैंकों को बीएनपी अध्यक्ष के खातों पर रोक लगाने का निर्देश दिया था। वह 1990 के बाद से दो बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री चुनी जा चुकी हैं।

एनबीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह निर्णय

सेना समर्थित तत्कालीन कार्यवाहक सरकार के दौरान गठित एक समिति की सिफारिश पर आधारित था। इसके बाद से ही उनके बैंक खातों पर रोक लगी हुई है। बीएनपी ने कई मौकों पर इन पर रोक हटाने की मांग की है। बाद में उन्हें नियमित खर्चों के लिए ढाका छावनी में रूपाली बैंक की शहीद मोइनुल रोड शाखा से हर महीने एक निश्चित राशि निकालने की अनुमति दी गई। तत्कालीन कार्यवाहक सरकार ने शेख हसीना के बैंक खातों पर भी रोक लगा दी थी, लेकिन उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद उन पर से रोक हटा दी गई।

यह ताजा कदम पांच अगस्त को खालिदा की पुरानी प्रतिद्वंद्वी हसीना को बड़े पैमाने पर विद्रोह के बाद सत्ता से बेदखल करने के बाद उठाया गया है। बांग्लादेश अवामी लीग का 15 साल पुराना शासन खत्म हो गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने आठ अगस्त को शपथ ली। जिया (79) को पांच अगस्त को हसीना (76) के देश छोड़कर चले जाने के बाद जेल से रिहा कर दिया गया था। जिया मार्च 1991 से मार्च 1996 तक और फिर जून 2001 से अक्टूबर 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं।

मुझे तो लैंडिंग आती ही नहीं, उड़ते विमान के बीच बोला पायलट

फ्लाइट में मचा हड़कंप

नेशनल डेस्क। सोचिए, आप फ्लाइट में सफर कर रहे हैं और अचानक पायलट ये घोषणा करता है कि उसे लैंडिंग करना नहीं आती! ऐसी स्थिति में यात्रियों का दिल दहल जाना स्वाभाविक है। ठीक ऐसा ही एक हैरान करने वाला वाकया हाल ही में एक उड़ान के दौरान हुआ, जिसे एक यात्री ने सोशल मीडिया पर साझा किया।

दरअसल, इसी अनुभव को एक यात्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ऋद्गस्त्रस्त्रद्बह्ल पर साझा किया। इस यात्री ने बताया कि वह 8 अगस्त को पोर्टलैंड से जैक्सन होल की फ्लाइट में सवार था, लेकिन फ्लाइट के दौरान पायलट ने घोषणा की कि वह जैक्सन होल में विमान को लैंड नहीं कर सकता। इसके बाद फ्लाइट को अचानक साल्ट लेक सिटी, यूटा की ओर डायवर्ट किया गया। पायलट की इस घोषणा से फ्लाइट में हड़कंप मच गया और यात्रियों की सांसें थम

गईं। फ्लाइट आखिरकार साल्ट लेक सिटी में लैंड हुई, जहां यात्रियों को करीब एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इसके बाद एक नए पायलट के आने पर फ्लाइट जैक्सन होल के लिए रवाना हुई और अपने गंतव्य पर तीन घंटे की देरी से पहुंची। यात्री ने बताया कि उन्होंने इस घटना को लेकर गहरा सदमा महसूस किया। हालांकि, स्काईवेस्ट एयरलाइंस, जो इस फ्लाइट को संचालित कर रही थी, ने बयान जारी कर स्पष्ट किया कि पायलट पूरी तरह से सक्षम था। एयरलाइंस ने बताया कि विमान को डायवर्ट करने का कारण कुछ कागजी कार्यवाही थी, और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक नए पायलट की नियुक्ति की गई थी। एयरलाइंस ने इस असुविधा के लिए माफी मांगी और कहा कि ऐसी घटनाएं भविष्य में न हों, इसके लिए वे आवश्यक कदम उठाएंगे।

यूक्रेन संघर्ष के समाधान पर जेलेंस्की से बातचीत का अवसर पाने की प्रतीक्षा: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह यूक्रेन में जारी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर अपना दृष्टिकोण साझा करने के लिए राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ पहले की बातचीत को आगे बढ़ाने के अवसर का इंतजार कर रहे हैं। पोलैंड और यूक्रेन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होने से पहले जारी एक बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में शांति और स्थिरता की जल्द बहाली की उम्मीद जताई।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति जेलेंस्की के निमंत्रण पर उनका यूक्रेन दौरा हो रहा है, जो भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना और यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर विचार-विमर्श करना है। मोदी ने कहा, मैं राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ पहले की बातचीत को आगे बढ़ाने के अवसर का इंतजार कर रहा हूं।

एक मित्र और साझेदार के रूप में, हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की उम्मीद करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पोलैंड की अपनी यात्रा को भी महत्वपूर्ण बताया। यह यात्रा दोनों देशों के राजनयिक

संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हो रही है।

उन्होंने कहा कि पोलैंड मध्य यूरोप में एक प्रमुख आर्थिक भागीदार है और लोकतंत्र और बहुलवाद के प्रति हमारी आपसी प्रतिबद्धता दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करती है। मोदी ने कहा, मैं पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क और राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से मुलाकात करने की आशा करता हूं। साथ ही, मैं पोलैंड में जीवंत भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी मिलूंगा। मुझे विश्वास है कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच व्यापक संपर्क को बनाए रखने और आने वाले वर्षों में अधिक मजबूत एवं जीवंत संबंधों की नींव तैयार करने में मदद करेगी।

लेटरल एंट्री पर तेजस्वी ने उठाए सवाल तो रविशंकर प्रसाद ने दिया जवाब

कहा- थोड़ा होमवर्क करना सीखिए...

पटना: नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने लेटरल एंट्री को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी संविधान और आरक्षण को खत्म कर असंवैधानिक तरीके से लैटरल एंट्री के ज़रिए उच्च सेवाओं में की जगह, बिना परीक्षा दिए के लोगों को भर रहे है। वहीं, तेजस्वी के बयान पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को कुछ याद दिलाना जरूरी है कि जब उनके पिता रेल मंत्री थे, मनमोहन सिंह सीधे राजस्व सचिव बने, क्या वे कोई IAS-IPS थे विजय केलकर वित्त सचिव बनें।

तेजस्वी बाबू थोड़ा होमवर्क करना सीखिए

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास भरा हुआ है। मोंटेक सिंह अहलूवालिया कहां से आए थे? वित्त विभाग के बड़े-बड़े सचिव बने वह भी बाहर से आए थे। तेजस्वी बाबू थोड़ा होमवर्क करना सीखिए। यहां तो हमारे मोदी जी ने स्पष्ट कहा कि पिछड़ों के हक पर हम कोई हमला नहीं होने देंगे। एसटी?-एससी का हम पूरा सामान करते हैं। उन्होंने कहा कि वैसे क्या आरक्षण पर बोलते हैं तेजस्वी यादव? आरक्षण का एकमात्र लाभ तो आपके परिवार को मिलता है। जहां पर पार्टी की नंबर वन की कुर्सियां रखी हुई हैं।

वहीं, भाजपा ने मंगलवार को उचतम न्यायालय के वकील मनन कुमार मिश्रा को बिहार में रायसभा के लिए होने वाले उपचुनाव में अपना उम्मीदवार घोषित किया है। मनन कुमार मिश्रा को उम्मीदवार बनाए जाने पर रविशंकर प्रसाद ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मैं धन्यवाद दूंगा पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा को, प्रदेश अध्यक्ष जी को कि बार काउंसिल के अखिल भारतीय अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा जी को रायसभा उम्मीदवार घोषित किया। वह योग व्यक्ति हैं। इसके लिए पार्टी को बहुत-बहुत अभिनंदन।

ट्रैक को किया जाम

बिहार में दिखा भारत बंद का असर, प्रदर्शनकारियों ने आरा में ट्रेन को रुकवाया

आरा। दलित-आदिवासी संगठनों ने स्ष्ट-स्त्रञ्ज आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध और इसे पलटने की मांग को लेकर बुधवार को भारत बंद का आह्वान किया है। इसका असर बिहार के भोजपुर जिले में भी देखने को मिला। भारत बंद समर्थक आरा रेलवे ट्रैक पर उतर आए और उन्होंने ट्रेन को रोककर जमकर प्रदर्शन किया।

ट्रैक पर बैठ गए प्रदर्शनकारी

बता दें कि आरा रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनकारियों ने 01663 रानी कमलापति-सहरसा एक्सप्रेस ट्रेन को रोका है और प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, जीआरपी और आरपीएफ सहित बिहार पुलिस भी आरा रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर बंद समर्थकों को रोकने की कोशिश कर रही है पर समर्थन एक भी बात सुन नहीं रहे हैं और ट्रैक पर बैठ गए हैं। इनका कहना है कि जब तक हमारी मांगों को पूरी नहीं होगी तब तक ऐसे ही प्रदर्शन जारी रहेगा।

बता दें कि दलित और आदिवासी संगठनों ने हाशिए पर मौजूद समुदायों के लिए मजबूत प्रतिनिधित्व और सुरक्षा की मांग को लेकर बुधवार को %भारत बंद% का आह्वान किया है। दलित और आदिवासी संगठनों के राष्ट्रीय परिसंघ (एनएसीडीएओआर) ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए न्याय और समानता सहित मांगों की एक सूची जारी की है।

एनएसीडीएओआर ने सुप्रीम कोर्ट की सात न्यायाधीशों वाली पीठ के हालिया फैसले पर विरोधात्मक रुख अपनाया है, जो उनके अनुसार, ऐतिहासिक इंदिरा साहनी मामले में नौ न्यायाधीशों वाली पीठ के पहले के फैसले को कमजोर करता है, जिसने भारत में आरक्षण के लिए रूपरेखा स्थापित की थी।

एनएसीडीएओआर ने सरकार से इस फैसले को खारिज करने का आग्रह किया है,

यह तर्क देते हुए कि यह एससी और एसटी के संवैधानिक अधिकारों को खतरे में डालता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569